राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,18 मार्च–2023 वर्ष–6,अंक–53 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमंत बिस्वा सरमा बोले- असम में 600 मदरसों पर ताला लगाया, आगे भी करेंगे; कांग्रेसियों को बताया आज के मुगल

कर्नाटक पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि उन्होंने 600 मदरसों को बंद कर दिया है और आगे भी बंद करेंगे। उन्होंने कांग्रेसियों को आज का मुगल बताया।

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि उन्होंने 600 मदरसों को बंद कर दिया है और सभी मदरसों को बंद करने का इरादा रखते हैं क्योंकि वह इसके बजाय स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय चाहते हैं। चुनावी राज्य कर्नाटक में बेलगावी के शिवाजी महाराज गार्डन में एक रैली को संबोधित करते हुए सरमा ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश से लोग पूर्वोत्तर राज्य में आते हैं और इसकी सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा पैदा करते हैं। सरमा ने आगे कांग्रेस पर तीखा हमला भी बोला। कहा- कांग्रेस आज के मुगल हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने सरमा के हवाले से कहा, बांग्लादेश के लोग असम आते हैं और हमारी सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा पैदा करते हैं। मैंने 600 मदरसों को बंद कर दिया है और मेरा इरादा सभी मदरसों को बंद करने का है क्योंकि हम मदरसे नहीं चाहते। हम स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय चाहते हैं।

जिहादी गतिविधियों का अड्डा

पिछले साल, सरमा ने दावा किया था कि असम जिहादी गतिविधियो का अड्डा बन गया है क्योंकि बांग्लादेश में अल कायदा से जुड़े आतंकी संगठनों के लिंक वाले पांच ÷जिहादी÷ मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया था। सरमा ने कहा कि खुफिया सूचनाओं के अनुसार, बांग्लादेश से कम से कम छह एबीटी सदस्यों ने 2016 और 2017 के बीच अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और ÷जिहादी÷ विचारधारा के बारे में स्थानीय युवाओं को प्रेरित करके आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल स्थापित किए।

आज के नए मुगल हैं कांग्रेसी बेलगावी की रैली में, सरमा ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि पार्टी ने दिखाया कि भारत

चुनावी राज्य कर्नाटक में बेलगावी के शिवाजी महाराज गार्डन में एक रैली को संबोधित करते हुए सरमा ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश से लोग पूर्वोत्तर राज्य में आते हैं और इसकी सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा पैदा करते हैं। सरमा ने आगे कांग्रेस पर तीखा हमला भी बोला। कहा- कांग्रेस आज के मुगल हैं।

का इतिहास मुगल सम्राटों के बारे में था और कहा कि यह ÷आज के नए मुगलों÷ का प्रतिनिधित्व करता है। सरमा ने कहा, कभी दिल्ली के शासक मंदिरों को तोड़ने की बात करते थे, लेकिन आज पीएम मोदी के शासन में मैं मंदिरों के निर्माण की बात कर रहा हूं। यह नया भारत है। कांग्रेस इस नए भारत को कमजोर करने का काम कर रही है। कांग्रेस आज के नए मुगलों का प्रतिनिधित्व कर रही है।

भारतीय इतिहास में मुगलों को उजागर करने के लिए कांग्रेस और कम्युनिस्टों पर आरोप लगाते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय इतिहास छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में भी था। उन्होंने कहा, ÷कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने दिखाया कि भारत का इतिहास बाबर, औरंगजेब और शाहजहां के बारे में था। मैं बताना चाहता हूं कि भारत का इतिहास उनके बारे में नहीं है, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंह के बारे में है। सरमा ने कहा कि अपने शासन के दौरान, औरंगजेब ने सनातन संस्कृति को समाप्त करने का प्रयास किया और आरोप लगाया कि विभिन्न लोगों को जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया गया था।

CISF में पूर्व अग्निवीरों को दिया जाएगा 10 प्रतिशत आरक्षण, फिजिकल फिटनेस जांच में भी दी जाएगी छूट

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) में पूर्व अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का एलान किया है। इससे एक सप्ताह पहले बीएसएफ में भी पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने की घोषणा की गई थी। मंत्रालय ने ऊपरी आयु सीमा में छूट की अधिसूचना भी जारी की है। यह छूट इस बात पर निर्भर करेगी कि अभ्यर्थी अग्निवीरों के पहले बैच का हिस्सा हैं या बाद के बैचों का। पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण देने के लिए गृह मंत्रालय ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 के तहत नियमों में संशोधन किया है।

जान लें पहले और दूसरे बैचों के अग्नीवरों के लिए क्या है अंतर

पहले बैच के पूर्व अग्निवीरों को आयु सीमा में पांच साल और बाद के बैचों के अग्निवीरों को तीन साल की छूट दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक दक्षता जांच में भी छूट दी जाएगी। बताते चलें कि केंद्र सरकार ने पिछले साल 14 जून को अग्निपथ योजना की घोषणा की थी।

सड़क दुर्घटना में साध्वी निरंजन ज्योति हुईं घायल, राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर इनोवा से टकराई ट्रक

विजयपुर। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सड़क दुर्घटना में घायल हो गईं। कर्नाटक के विजयपुरा में राष्ट्रीय राजमार्ग 50 पर उनकी टोयटा इनोवा, एक लोडेड ट्रक से टकरा गई। इस घटना में मंत्री और उनके ड्राइवर को मामूली चोटें आईं और उनका प्राथमिक उपचार किया गया। ट्रक चालक कथित तौर पर नशे में था और उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि वो कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित महिला सम्मेलन में भाग ले रही थीं। इस साल कर्नाटक में चुनाव होने वाले हैं। पत्रकारों से बात करते हुए ज्योति ने कहा, भगवान की कृपा से मैं सुरक्षित हूं।

सिकंदराबाद के बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग, 4 महिलाओं समेत 6 की मौत

सिकंदराबाद। हैदराबाद के सिकंदराबाद में एक बड़ा हादसा हो गया। रात को एक बहुमंजिला व्यावसायिक परिसर में लगी भीषण आग लगने से चार महिलाओं सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, स्वप्नलोक कॉम्प्लेक्स में आग रात करीब 8 बजे आग लगी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आगजनी में मरने वालों की पहचान शिवा, प्रशांत, प्रमिला, श्रावणी, वेनेला और त्रिवेणी के रूप में की गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि मौत का कारण धुएं में सांस लेना हो सकता है। हालांकि, सही कारण जांच के बाद पता चलेगा।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट-सर्किट बताया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, हमें सूचना मिली है कि छह लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है। पीटीआई ने कहा कि 12 लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया और उनमें से छह की एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि बाकी का अभी भी इलाज चल रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि पीड़ित तेलंगाना के वारंगल और खम्मम जिलों के थे। वे एक मार्केटिंग कंपनी में कार्यरत थे, जिसका परिसर में एक कार्यालय था।

उत्तर भारत में बदला मौसम का मिजाज, बिहार-उत्तराखंड में ओलावृष्टि; यूपी में बारिश शुरू

नई दिल्ली। उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में मौसम में आंशिक बदलाव नजर आया। पंजाब के गुरदासपुर और पठानकोट में बुधवार रात बारिश के साथ ओले पड़ने के कारण खेतों में गेहूं की फसल बिछ गई तो राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बरसात हुई। बिहार के मुजफ्फरपुर में भी बारिश के साथ ओले पड़े हैं।

यूपी में बारिश से तापमान में गिरावट

यूपी की राजधानी लखनऊ समेत कई शहरों में आज सुबह से बारिश हो रही है, जिससे पांच से सात डि?ग्री तक तापमान गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तक दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और यूपी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। 20 और 21 तारीख को तेज जबकि बाकी दिन हल्की वर्षा हो सकती है।

मौसम में बदलाव के लिए तीन कारक जिम्मेदार

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने बताया कि मौसम में इस बदलाव के लिए तीन कारक जिम्मेदार हैं। पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है तो राजस्थान से एक अक्षीय रेखा महाराष्ट्र की ओर बढ़ रही है। इसके अलावा निचले स्तर पर चल रही नमी भरी हवाओं और मध्यम स्तर पर बह रही शुष्क पश्चिमी हवाओं का टकराव भी मौसम में आए इस बदलाव की एक बड़ी वजह है।

गर्मी से मिलेगी राहत

महेश पलावत ने बताया कि इन पांच दिनों के दौरान गर्मी से थोड़ी राहत रहेगी, तापमान में कुछ गिरावट आएगी, लेकिन 22 मार्च से तापमान और गर्मी में फिर से बढ़ोतरी होने लगेगी। लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग प्रमुख डा. पीके किंगरा ने बताया कि खराब मौसम की संभावना को देखते हुए किसानों को गेहूं की फसल की सिंचाई नहीं करने की हिदायत जारी की गई है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी की दौर भी चलेगा। ओले भी गिर सकते हैं।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता होगी रद!

भाजपा ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, विशेष समिति बनाने की मांग

नई दिल्ली। विदेशी मंच से भारतीय लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करने के मुद्दे पर भाजपा राहुल गांधी को चौतरफा घेरने में लगी है। अदाणी के विषय पर बिना साक्ष्य प्रधानमंत्री पर आरोप लगाने के मामले में राहुल का मामला पहले ही विशेषाधिकार समिति के समक्ष है।

अब भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर शिकायत की है कि जिस तरह कैंब्रिज में भारत के लोकतंत्र और संसद पर सवाल खड़ा किया गया और यूरोप व अमेरिका से हस्तक्षेप की बात कही गई वह किसी भी भारतीय और खासकर सांसद के आचरण पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। ऐसे में विशेष समिति बनाकर उनके आचरण की जांच

की जाए और लोकसभा सदस्यता रद की जाए।

BJP सदस्य ने नोटिस देकर सदस्यता रद करने की मांग की-गौरतलब है कि संसद में सवाल के बदले कैश मामले में ऐसी ही एक विशेष समिति ने कुछ सदस्यों की जांच की थी और बाद में उनकी सदस्यता रद हो गई थी। बुधवार को निशिकांत ने लोकसभा अध्यक्ष को रूल 223 के तहत नोटिस देकर यह मांग की है। विस्तार से कैंब्रिज में राहुल गांधी के बयानों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि जिस तरह संसद और लोकतंत्र की गरिमा पर चोट की गई है वह चिंतनीय है। लिहाजा कार्रवाई होनी चाहिए। अगर इस विषय पर लोकसभा अध्यक्ष फैसला लेते हैं तो राहुल गांधी के खिलाफ दो मामलों में संसदीय समिति जांच कर रही होगी।

10 मिनट की दूरी 40 मिनट में हो रही पूरी, चिराग दिल्ली फ्लाईओवर बंद होने से राजधानी के इन रास्तों पर लग रहा जाम

नई दिल्ली। मरम्मत के कारण फ्लाईओवर पर एक तरफ का रास्ता बंद है। यहां पर सभी जोड़ों पर ड्रिल आदि करने का काम शुरू कर दिया गया था। गुरुवार को डिवाइडर पर फ्रेम लगाने का काम भी शुरू हो गया। वहीं, यातायात बंद करने का असर आसपास के बाजारों में भी देखने को मिल रहा है। खासतौर पर लाजपत नगर, डिफेंस कॉलोनी, नेहरू प्लेस, साकेत, मालवीय नगर आदि बाजारों में पहुंचने के लिए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहनों की धीमी गति के चलते लोगों को औसतन आधे घंटे की देरी हो रही है।

डायवर्जन से परेशानी

बढ़ी- राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर गुरुवार को यातायात मार्ग परिवर्तन के चलते धौलाकुआं से रजोकरी जाने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस ने अपने ट्वीट में यहां पर यातायात में आ रही परेशानी की जानकारी देते हुए दिल्ली से गुरुग्राम के लिए सफर करने वाले लोगों को ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की सलाह दी। वहीं, नेहरू प्लेस से आईआईटी फ्लाईओवर की ओर जाने वाले कैरिज-वे पर भी जाम की सूचना लोगों को दी। चिराग दिल्ली फ्लाईओवर पर चल रहे मरम्मत कार्य के चलते यहां पर वाहन चालकों को 15 से 20 मिनट तक के जाम का सामना करना पड़ा।

क्या बोले लोग...

मुझे महिलापुर से सरहौल बॉर्डर तक जाने में 40 मिनट ज्यादा लग गए। पहले यह दूरी 10 से 15 मिनट में पूरी हो जाती थी। -दिव्या कथूरिया, डिफेंस कॉलोनी निवासी

मैं लगातार दूसरे दिन चिराग दिल्ली के पास भयंकर जाम में फंसा हूं। अब जब तक यहां काम पूरा नहीं हो जाता है मैं मेट्रो से सफर करूंगा। -सुनील अग्रवाल, आरकेपुरम

मंगलवार को मैं एनएच-48 पर दो घंटे जाम में फंसा रहा। इस कारण गुरुवार को घर से जल्दी निकला। नतीजतन, जाम कम मिला। -सुनील यादव, सीपी में काम करने वाले

गुजरात के ठग ने खुद को बताया पीएमओ का अधिकारी, कश्मीर में मिली जैड+ सुरक्षा; ऐसे धराया

नई दिल्ली, श्रीनगर। गुजरात के एक ठग किरण भाई पटेल ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर जम्मू-कश्मीर प्रशासन से जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा ले ली। उसे बुलेलफ्रफ गाड़ी की यात्रा और फाइव स्टार होटल की सुविधा भी दी गई। इससे पहले भी वह दो बार श्रीनगर की यात्रा कर चुका है। इस दौरान उसने वरिष्ठ अधिकारियों के संग बैठक भी की थी। पटेल खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय में रणनीति और अभियानों के लिए अतिरिक्त निदेशक के तौर पर पेश करता था। 11 दिन पहले उसकी भेद खुल गई और पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, उसकी गिरफ्तारी की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। गुरुवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद इस मुद्दे को सार्वजनिक किया गया। पटेल के वेरिफाइड ट्विटर अकाउंट हैं। उनके हजारों फॉलोअर्स भी हैं। भाजपा गुजरात के महासचिव प्रदीपसिंह वाघेला भी उसके फॉलोअर्स की लिस्ट में हैं। उसने अपनी कश्मीर यात्रा के कई वीडियो और फोटो ट्विटर पर शेयर किए हैं। कई तस्वीरों में वह अर्धसैनिक बलों के जवानों से घिर देख रहे हैं। आखिरी तस्वीर 2 मार्च की है। अपने

ट्विटर बायो में उसने अपनी शैक्षणिक याग्यता का भी उन्होंने जिक्र किया है। इसमें उसने वर्जीनिया स्थित कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी से पीएचडी, आईआईएम त्रिची से एमबीए, कंप्यूटरज साइंस में एमटेक का जिक्र किया है। पटेल ने खुद को विचारक, रणनीतिकार, विश्लेषक और कैंपेन मैनेजर बताया है। आपको बता दें कि ठग ने खुद को पीएमओ का अधिकारी बताते हुए पहली बार फरवरी में कश्मीर की यात्रा की थी।

उसके ट्वीटर हैंडल पर ऐसे कई वीडियो हैं, जिसमें वह अर्थसैनिक बल ओर पुलिस की सुरक्षा में घूमता दिख रहा है। वह पूरी सुरक्षा में बडगाम के दूधपथरी में बर्फ का आनंद लेता दिख रहा है। एक तस्वार में वह लाल चौक पर क्लॉक टॉवर के सामने पोज देता दिख रहा है।

सूत्रों का कहना है कि पटेल ने गुजरात से अधिक पर्यटकों को कश्मीर लाने और दूधपथरी को एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठकें भी की थी।

दो सप्ताह के भीतर अपनी दूसरी कश्मीर यात्रा के दौरान वह संदेह के घेरे में आ गया। सूत्रों ने कहा कि एक आईएएस अधिकारी जो कि एक जिला मजिस्ट्रेट भी हैं, ने पिछले महीने उसकी यात्रा के बारे में पुलिस को बताया। खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को एक ठग के बारे में सतर्क किया। उसकी कुंडली खंगालने के बाद पुलिस ने श्रीनगर के एक होटल से उसे गिरफ्तार कर लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संसद में गतिरोध

बजट सत्र के दूसरे चरण में एक दिन भी संसद में ढंग से काम नहीं हो सका है। विवादों का ऐसा सिलसिला छिड़ गया है, जो लगता नहीं कि आसानी से खत्म होगा। विवाद संसद में भी हावी हैं और सड़क पर भी। वैसे, भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसे अवसर पहले भी आए हैं, जब परस्पर संघर्ष के तत्व ज्यादा और समन्वय की कोशिशें बहुत कम नजर आई हैं। सत्ता पक्ष राहुल गांधी से देश के अपमान के लिए माफी मांग रहा है, जबकि राहुल गांधी सदन में अपनी बात रखना चाहते हैं। क्या ऐसा मुमकिन है कि राहुल गांधी को सुनने के बाद सत्ता पक्ष आगे कुछ फैसला करे, लेकिन जब देश में सियासत तेज हो गई है, तब किसी की बात सुनने या न सुनने के पीछे भी राजनीति तय है। यह नया नहीं है, चुनाव जब करीब आने लगते हैं, तब सदन में पक्ष और विपक्ष का मिजाज भी अपने सियासी लाभ-हानि के मुताबिक बदलने लगता है। अगर राजनीतिक पार्टियों के लिए अभी से चुनाव ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, तो सदन में सामान्य कामकाज का न हो पाना आश्चर्यजनक नहीं है। फिर भी लोग यही उम्मीद करेंगे कि राजनीति बाहर होती रहे और सदन में विधायी कार्य न टलें। जहां तक राहुल गांधी की बात है, वह सदन में अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन वह ब्रिटेन में जो बोल आए हैं, राजनीति अभी वहीं उलझी हुई है। राहुल के सदन में पहुंचने के एक मिनट के भीतर संसद को स्थगित कर दिया गया, जबकि वह चार केंद्रीय मंत्रियों द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों का जवाब देने की उम्मीद से संसद आए थे। वैसे सदन स्थगित होने के दूसरे भी कारण हो सकते हैं, लेकिन यहां राहुल गांधी ने मौका हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने कह दिया कि यदि भारतीय लोकतंत्र सही से कार्य कर रहा होता, तो मैं सदन में अपनी बात कह पाता। उन्होंने यह भी कहा कि आप जो देख रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र की परीक्षा है। यह फिर बहस का विषय है कि उन्हें ऐसा बोलना चाहिए था या नहीं। हालांकि, यह भी सच है कि लोकतंत्र एक जटिल व्यवस्था है और इसे बार-बार परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। साथ ही, लोकतंत्र पर टिप्पणी करते समय व्यापकता में विचार करना चाहिए। भारतीय लोकतंत्र के किसी भी बड़े नेता की टिप्पणियों में शासन-प्रशासन का इतिहास और भूगोल व्यंजित होना चाहिए। लोकतंत्र पहले भी बड़ी परीक्षाओं से गुजरकर निखरा है और लोगों को यही उम्मीद होगी कि इस बार भी निखरेगा। दूसरी ओर, भाजपा की रणनीति फिलहाल परंपरा के अनुरूप ही ज्यादा आक्रामक है। बहुत संघर्ष से उसे सत्ता में इतनी मजबूती हासिल हुई है, तो यह महत्वाकांक्षी पार्टी न केवल कतरा-कतरा ताकत को बचाना, बल्कि बढ़ाने के मकसद से भी जुटी है और यह स्वाभाविक है। ऐसे में, जाहिर है, भाजपा ने गुरुवार को राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई है। अगर किसी सांसद को संसद में बोलने की मंजूरी न मिले, तो यह लोकतंत्र की परीक्षा कैसे हो गई? सवाल यह भी उठाया गया कि किसी एक सांसद की टिप्पणी लोकतंत्र की सफलता या विफलता का पैमाना कैसे बन सकती है? लगे हाथ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर विदेशी धरती से भारतीय लोकतंत्र को नीचा दिखाने की आदत का आरोप लगा दिया। राजनीति की रफ्तार तेज है, लेकिन कहीं कभी ठहरकर सोचना भी चाहिए कि लोकसभा, राज्यसभा में थोड़ा सा समय विरोध-प्रतिरोध के लिए हो और ज्यादा से ज्यादा समय देश के तेज विकास में लग जाए।

(18 मार्च) राष्ट्रीय आयुध निर्माण दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

ऑर्डनेन्स फैक्ट्री डे अर्थात आयुध निर्माण दिवस हर साल 18 मार्च को पुरे भारत भर में मनाया जाता है। कोसीपुर, कोलकाता में स्थित भारत के सबसे पुराने आयुध निर्माणी फैक्ट्री का उत्पादन 18 मार्च 1802 को शुरू किया गया था। ऑर्डनेन्स फैक्ट्री, फील्ड गन फैक्ट्री, स्मॉल आर्म्स फैक्ट्री, ऑर्डनेन्स पैराशूट फैक्ट्री और ऑर्डनेन्स उपकरण फैक्टरी इस दिन को महान धूमधाम के साथ आयुध कारखानों में मनाते हैं जिसमें सभी श्रेणियों के कर्मचारी विभिन्न संगठित आयोजनों में भाग लेते हैं। इस अवसर पर पूरे देश में जगह जगह रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी व विभिन्न आयु वर्ग में आयुध दौड़ का आयोजन किया जाता है। ऑर्डनेन्स फैक्ट्री डे अर्थात आयुध निर्माण दिवस हर साल 18 मार्च के दिन भारत में मनाया जाता है। यह एक परिचित तथ्य है कि भारत सरकार ने हर साल 18 मार्च को आयुध कारखाने दिवस का उत्सव के तौर पर मनाने का घोषित किया था। ऑर्डनेन्स फैक्ट्री बोर्ड को लोकप्रिय रूप से देश के रक्षा का चौथा हथियार कहा जाता है। नौसेना, वायुसेना और सेना भारत के शेष तीन हथियार है। उनमें से प्रत्येक का अपना उत्सव दिवस है। जैसा कि ऑर्डनेन्स फैक्ट्री रक्षा का चौथा हथियार है सरकार को इसके लिए एक विशेष दिन को आयुध कारखाने दिवस के रूप में पालन करने की आवश्यकता महसूस हुई। भारतीय आयुध कारखानों का इतिहास सीधे भारत में ब्रिटिश शासन के साथ जुड़ा हुआ है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने और अपने आर्थिक हितों की सुरक्षा के लिए सैन्य हार्डवेयर को एक महत्वपूर्ण तत्व माना। 1775 के साल में ईस्ट इंडिया कंपनी ने कोलकाता के फोर्ट विलियम में आयुध मंडल की नींव की प्रशंसा की। यह भारतीय सेना आयुध के आधिकारिक प्रारंभ का प्रतिनिधित्व करता है। आयुध कारखानों का उद्श्य रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता उत्पन्न करना और आम जनता के बीच गोला-बारूद और हथियारों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यही कारण है कि हर साल भारत में 18 मार्च के दिन आयुध निर्माण दिवस अथवा ऑर्डनेन्स फैक्ट्री डे मनाया जाता है।

क्यों मनाया जाता है -

आयुध निर्माण दिवस के अवसर को भारत के सशस्त्र बलों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को सुनिश्चित करने और कर्मचारियों के लिए बेहतर जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के माध्यम से आयुध मंडल के समर्पण की पुष्टि के लिए एक याद के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आयुध कारखानों के कर्मचारियों को उनके कार्य उत्कृष्टता के लिए याद किया जाता है।

भारतीय आयुध निर्माणी -

भारतीय आयुध निर्माणियाँ एक भव्य औद्योगिक संरचना हैं जो रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अंतर्गत कार्य करती हैं। भारतीय आयुध निर्माणियाँ का मुख्यालय कोलकाता में स्थित है। वह 41 निर्माणियों, 9 प्रशिक्षण संस्थान, 3 क्षेत्रीय विपणन केन्द्र ओर 4 क्षेत्रीय संरक्षा नियंत्रणालयों का समूह है। आज आयुध निर्माणी बोर्ड भारतवर्ष में 41 निर्माणियों में फैली है।

आयुध कारखाना बोर्ड ने 1775 के साल में कोलकाता के आयुध भवन में मुख्यालय के साथ इसकी नींव रखी थी। यह भारत सरकार द्वारा संचालित सबसे पुराना औद्योगिक संगठन और सरकार द्वारा संचालित दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादन संगठन है।

आयुध कारखानों के बोर्ड में 41 आयुध निर्माणी, 4 क्षेत्रीय सुरक्षा नियंत्रक, 3 क्षेत्रीय विपणन केंद्र और 9 प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं जो पूरे भारत में फैले हुए हैं। बोर्ड को रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रबंधित किया जाता है। भारतीय आयुध कारखाने भारत के सभी तीन सशस्त्र बल भारतीय वायु सेना, भारतीय सेना और भारतीय नौसेना को अपने उत्पाद प्रदान करते हैं।

इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ सर्विस

इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ सर्विस भारतीय सरकार की नागरिक सेवा है। इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ सर्विस के अधिकारी राजपत्रित रक्षा हैं जो कि रक्षा मंत्रालय के द्वितीयक नागरिक अधिकारी होते है। वे भारतीय आयुध कारखानों के प्रबंधन के लिए जवाबदेह हैं। इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ सर्विस के अधिकारियों द्वारा निष्पादित प्रमुख कार्यों में परियोजना प्रबंधन, उत्पाद विकास और अनुसंधान, गुणवत्ता नियंत्रण, सामग्री प्रबंधन, आपूर्ति प्रबंधन, उत्पादन नियंत्रण और नियोजन, औद्योगिक सुरक्षा, कार्मिक प्रबंधन, श्रम कल्याण, औद्योगिक संबंध, रखरखाव और आवासीय के प्रबंधन शामिल हैं। सम्पदा और इन अन्य विभिन्न कार्यों के निर्वहन में इंडियन ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ सर्विस अधिकारी रक्षा मंत्रालय, व्यापार और औद्योगिक संगठनों के तहत कई अनुसंधान और विकास संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, गुणवत्ता नियंत्रण एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों के साथ बड़े पैमाने पर सहयोग बनाए रखते हैं।

उद्देश्य

प्रौद्योगिकी सामर्थ्यताओं के साथ एक बृहत् और परिवर्तनीय उत्पादन आधार तथा अत्याधुनिक उत्पादन सुविधाएं को प्रदान करना इस दिवस का उद्श्य है। कुशल और पेशेवर अर्हता प्राप्त जन शक्ति और प्रबंधकीय कार्मिकों का बृहत् भंडार है। गुणवता मानकों का सख्त पालन करना है। आवश्यकता आधारित परिष्करण एवं सुधार के लिए मौलिक एवं अनुकूलित अनुसंधान एवं विकास को महत्व देना इस दिवस का उद्श्य है। अभियांत्रिकी सामर्थ्यता को आगे बढाना तथा औद्योगिक प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए एक मजबूत आधार बनाने का लक्ष्य है।

उपसंहार -

ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज़ बोर्ड भारत के सशस्त्र बलों के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इसलिए आयुध निर्माण दिवस को महत्व देते हुए इस दिवस को मनाया जाता है। संगठन न केवल विभिन्न सशस्त्र बलों के लिए हथियारों की आपूर्ति करता है बल्कि यह ग्राहकों की अन्य इच्छाओं को भी पूरा करता है जिसमें गोला-बारूद, हथियार, माइन संरक्षित वाहन, बुलेट प्रूफवाहन, कपड़े आदि के संबंध में राज्य पुलिस बल और केंद्रीय अर्धसैनिक बल शामिल हैं। आयुध निर्माण दिवस पूरे भारत में आयुध मंडल के सार के बारे में सामान्य जागरूकता के ज्ञान को प्रदान करता है।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

गहलोत का सुशासन क्या दिला पायेगा आसन ?

(लेखक डॉ. भरत मिश्र प्राची)

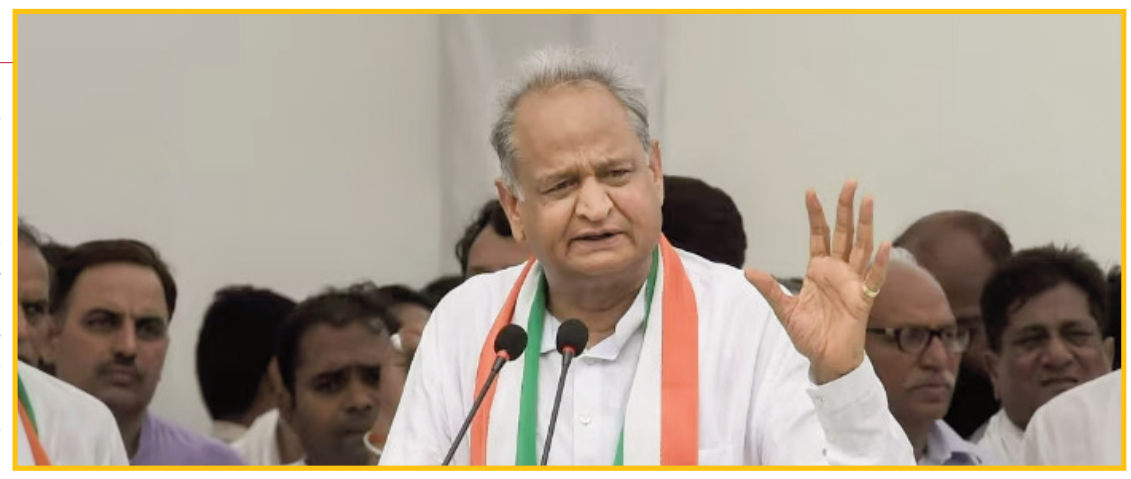

फिलहाल राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में जिसके मुख्य मंत्री अशोक गहलोत चर्चा के घेरे में है। जिनके सामने सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक अनेक विपरीत चुनौतियां सामने रास्ते में रोड़ा बनी हुई है जिनसे टक्कर लेना आसान नहीं फिर भी अपने राजनीतिक कौशल एवं सुशासन के बल पर आगामी विधान सभा चुनाव में फिर से आम जन का विश्वास पाकर सत्ता पर आसन जमाने की चाहत लिये आगे बढ़ते नजर आ रहे है। राजस्थान में गहलोत सरकार का सुशासन क्या दिला पायेगा फिर से आसन, मुख्य चर्चा का केन्द्र बिन्दु बना हुआ है। इस चर्चा के सकरात्मक/ नकरात्मक पहलू को जानने के लिये राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व में संचालित सरकार की उपलब्धियों , सरकार पर अपनों से ही पैदा हुये मंडराते संकट के बादल एवं सामने खड़े विपक्ष की वस्तुस्थिति पर एक नजर डालना जरूरी है। सबसे पहले राजस्थान में सत्ताधारी कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल की विशेष उपलब्धियों पर नजर डालें जहां हर वर्ग हर कौम को संतुष्ट करने का भरपूर प्रयास किया गया है। इस दिशा में वर्षो से बंद पड़ी पुरानी पेंशन को फिर से लागू करना, स्वास्थ्य क्षेत्र में सभी तरह की जांच, दवाई एवं इलाज फ्री करने के साथ मुख्य मंत्री चिरंजीवी बीमा राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख एवं दुर्घटना बीमा राशि 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख किया जाना, बिजली के क्षेत्र में 50 यूनिट से बढ़ाकर 100 यूनिट की छूट आमजन को देकर, बस यात्रा में महिलाओं को 50 प्रतिशत छूट , रोजगार के लिये प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेले वालों को शत प्रति शत छूट, किसानों को बिजली उपभोग में राहत , खाली पदों को शीघ्र भरे जाने की घोषणा के साथ अनेक जन कल्याणी योजना लागू करने की योजना पर सरकार की तत्काल कार्यवाही आमजन का फिर से विश्वास पाने के मार्ग में सहायक तो हो सकता है पर गहलोत सरकार के सामने अपने एवं विपक्ष की प्रतिकुल परिस्थितियां भी सामने है। राजस्थान सरकार में उप मुख्य मंत्री रहे सचिन पायलट एवं उनके समर्थक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाये जाने से नराज चल रहे है जिनकी नराजगी ने सरकार को गंभीर संकट में डाल दिया था, पर अशोक गहलोत ने अपनी राजनीतिक चतुराई से इस संकट को पार तो कर लिया पर मतभेद अभी भी बरकरार है। अभी विधान सभा चुनाव इस वर्ष के अंतराल में है, चुनाव से पूर्व कांग्रेस की प्रदेश की आंतरिक परिस्थितिया कैसी रहेगी, चुनाव परिणाम उस पर निर्भर करेगा। वैसे अशोक गहलोत के सामने वर्तमान में पक्ष पिवक्ष के विरोधी स्वर गूंजते जरूर नजर आ रहे है। राजस्थान विपक्ष में भी नेतृत्व के मामले में आपसी कलह साफ साफ नजर आ रही है। यह स्थिति अशोक गहलोत के लिये बेहतर हो सकती है। मोदी लहर का प्रभाव राजस्थान के आमजनमानस को प्रभावित कर सकता है पर भाजपा का आंतरिक कलह विधानसभा चुनाव में मोदी लहर को नकरात्मक भी साबित कर सकता। यदि चुनाव पूर्व केन्द्रीय स्तर पर विपक्ष में एकता नहीं हो पाती तो सत्ता पक्ष कांग्रेस के सामने भाजपा पिवक्ष के साथ - साथ आम आदमी पार्टी एवं ओवैसी की पार्टी का भी सामना करना पड़ सकता है। वैसे आम आदमी पार्टी एवं ओवैसी का जनाधार राजस्थान में तो नहीं नजर आता पर कांग्रेस के जनमत गणित को बिगाड़ने में ये दोनों दल सहायक हो सकते है। राजस्थान में सत्ता परिवर्तन का इतिहास रहा है। यदि चुनाव में कांग्रेस की फिर से वापसी होती है तो तो वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व का राजनीतिक कौशल बरकरार माना जायेगा। इस तरह की विकट परिस्थितियों में गहलोत का सुशासन क्या दिला पायेगा आसन, चर्चा के केन्द्रबिन्दु में समाया हुआ है। (स्वतंत्र पत्रकार)

विचार मंथन

सत्ता पक्ष के गले में अडानी और विपक्ष के गले में राहुल

(लेखक - सनत जैन)

पांचवें दिन भी संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पाई। सत्ता पक्ष, राहुल गांधी से पहले माफी मांगने की मांग पर अड़ा हुआ है। दोनों सदनों में सत्ता पक्ष के सदस्य माफी मांगने की बात पर नारेबाजी कर विपक्ष के ऊपर दबाव बनाते हुए नजर आए। संसदीय कार्यमंत्री ने लोकसभा में कहा कि विदेश जाकर राहुल गांधी ने देश का अपमान किया है। आसंदी के उपर आरोप लगाये हैं। झूठे आरोप लगाकर देश को बदनाम किया है। राहुल गांधी पर कार्यवाही की जाये। हंगामे के कारण लोकसभा के माइक बंद कर दिये गए। वहीं विपक्ष के सदस्य भी माफी नहीं मांगने, जेपीसी गठन की मांग तथा लोकसभा में राहुल गांधी को अपना पक्ष रखने देने की मांग पर अड़े रहे। राज्यसभा में विपक्ष द्वारा दिए गए नोटिस को सभापति जयदीप धनखड़ ने अमान्य कर दिया। हो-हल्ले के बीच पहले राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित की गई। लोकसभा में भी दोनों पक्षों की नारेबाजी होती रही। जब दोनों शांत नहीं हुए तो लोकसभा अध्यक्ष ने भी सोमवार तक के लिए लोकसभा स्थगित कर दी। कल राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर जो दांव चला। वह सत्तापक्ष के गले में अटक गया है। राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर कहा था, कि वह अपनी बात लोकसभा में रखना चाहते हैं। एक सदस्य के नाते उन्हें अपना पक्ष रखने का अधिकार है। उसके बाद यदि उन्होंने कुछ ऐसा कहा हो, जो नियमों के विपरीत है तो सदन उस मामले में निर्णय करे. भाजपा राहुल गांधी से पहले माफी मांगने की बात पर अड़ी हुई है। अन्यथा सदस्यता निरस्त करने का दबाव बना रही है। लोकसभा में यदि उनकी सदस्यता बहुमत के आधार पर निरस्त करना चाहती है, तो उसके पहले उन्हें सदन के अंदर अपनी बात रखने का मौका तो देना ही पड़ेगा। यदि यह मौका नहीं दिया तो उनकी सदस्यता निरस्त करना सत्तापक्ष के लिए भारी पड़ेगा। क्योंकि उनकी बात सुने बिना यदि एकतरफा निर्णय संसद लेती है, तो इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। विपक्ष जेपीसी की मांग को लेकर अड़ा हुआ है। सरकार जेपीसी गठित नहीं करना चाहती है। ना ही अडानी मामले में संसद के दोनों सदनों में चर्चा कराने तैयार नहीं हो रही है। राहुल गांधी को सत्ता पक्ष अडानी के लिये बलि का बकरा बना रहा है। माफी मांगने की बात कहकर सदन की कार्यवाही नहीं चलाने की मंशा सत्तापक्ष की है। उसमें सत्ता पक्ष सफल भी हो रहा है। सोमवार से लेकर शुक्रवार के 5 दिनों में संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चली। नाही दोनों पक्षों के इस गतिरोध को तोड़ने के लिए लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने कोई पहल भी नहीं की। इससे स्पष्ट है कि सरकार चाहती है कि संसद का बजट सत्र, बिल और विधेयक बिना किसी चर्चा के पास करके निपटा लिया जाए। संवैधानिक विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी संसद सदस्य द्वारा संसद के बाहर दिए गए, किसी भी बयान के लिए उसे संसद मे जिम्मेदार अथवा माफी मांगने का मामला उठाने की अनुमति नहीं होती है। राहुल गांधी लोकसभा के सदस्य हैं। उनके खिलाफ यदि कोई विशेषाधिकार का प्रस्ताव लाया जाता है, उन्हें निलंबित अथवा बर्खास्त किया जाता है, तो भी उन्हें आरोप के संबंध में बोलने का अधिकार संसद के अंदर है। उन्हें यदि नहीं बोलने दिया गया, तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में जो बातें कही थी, वह सही हैं। लोकसभा और राज्यसभा में सरकार के मंत्रियों ने राहुल गांधी के ऊपर जो आरोप लगाए हैं। उन आरोपों पर भी सदन के अंदर चर्चा कराना और उनके खिलाफ भी विशेषाधिकार का प्रस्ताव नियमानुसार विपक्ष बनाना चाहता है। राहुल गांधी जब लोकसभा अध्यक्ष से मिले, तो उन्होंने सरकार के चार मंत्रियों, जिन्होंने उनके ऊपर सदन के अंदर आरोप लगाए हैं, उनकी सफाई देने के लिए उन्हें बोलने का मौका दिए जाने की बात की है। लोकसभा अध्यक्ष से उन्होंने यह भी कहा कि संसद की नियमावली के अनुसार उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। यदि उन्हें मौका दिया गया तो निश्चित रूप से वह मंत्रियों के बारे में भी विशेषाधिकार हनन का मामला उठायेंगे। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है, कि अडानी, सत्तापक्ष के गले में हड्डी की तरह अटक गए हैं। सत्ता पक्ष ना तो उनको निगल पा रहा है, ना उगल पा रहा है। विपक्ष भी राहुल गांधी को मोहरा बनाकर सरकार को हिंडन बर्ग की रिपोर्ट को आधार बनाकर जेपीसी की मांग पर अड़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों में जिस तरह से ईडी और सीबीआई ने एक बार फिर विपक्षी दलों पर छापे और गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू की है।

एयर इंडिया के गैर-उड़ान कर्मचारियों के लिए वीआरएस योजना

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने अपने गैर-उड़ान परिचालनों के कर्मियों के लिए शुक्रवार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) की पेशकश की। पिछले वर्ष जनवरी में एयरलाइन का अधिग्रहण करने के बाद टाटा समूह दूसरा बार ऐसी पेशकश लाया है। यह ऑफर स्थायी सामान्य कैडर के अधिकारियों के लिए है जो 40 वर्ष या अधिक आयु के हैं और एयरलाइन में न्यूनतम पांच वर्ष की निरंतर सेवा अवधि पूरी कर चुके हैं। इसके अलावा, क्लर्क या गैर-कुशल श्रेणी के कर्मचारी जो न्यूनतम पांच वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर चुके हैं वे भी इसके लिए पात्र हैं। यह ऑफर 30 अप्रैल तक खुला रहेगा। सूत्रों ने बताया कि करीब 2,100 कर्मचारी इस स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पेशकश के लिए पात्र हैं। इससे पहले एयर इंडिया जून 2022 में इसी के समान प्रस्ताव लाई थी। एक आधिकारिक जानकारी में कहा गया कि इसके लिए 17 मार्च से 30 अप्रैल 2023 तक आवेदन दिया जा सकेगा। 31 मार्च 2023 तक आवेदन करने वाले योग्य कर्मचारियों को अनुग्रह राशि के अलावा एक लाख रुपए मिलेंगे। पहली बार जब यह पेशकश लाई गई थी तब करीब 4,200 पात्र कर्मचारियों में से लगभग 1,500 ने इसका लाभ उठाया था।

कृतिवासन बने टीसीएस कंपनी के नए सीईओ

मुंबई । देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) राजेश गोपीनाथन ने कंपनी छोड़ने का फैसला किया है। गोपीनाथन 22 साल से अधिक समय से टीसीएस में हैं। कंपनी ने कहा कि उन्होंने अपनी पसंद के दूसरे क्षेत्र में हाथ आजमाने के लिए कंपनी छोड़ने का निर्णय लिया है। टीसीएस के निदेशक मंडल ने गोपीनाथन के इस्तीफे पर विचार किया और उसे स्वीकार कर लिया। निदेशक मंडल ने 16 मार्च, 2023 यानी आज के कृतिवासन को कंपनी का नया मुख्य कार्याधिकारी नियुक्त कर दिया। गोपीनाथन 15 सितंबर, 2023 तक कंपनी में रहेंगे और जिम्मेदारी संभालने में अपने उत्तराधिकारी की मदद करेंगे। टीसीएस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि मुझे बीते 25 साल के दौरान राजेश के साथ काम करने का मौका मिला। इस दौरान राजेश ने मुख्य वित्त अधिकारी सहित कई भूमिकाओं में अनुकरणीय प्रदर्शन किया और अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि पिछले 6 वर्षों में राजेश ने प्रबंध निदेशक और सीईओ के तौर पर मजबूत नेतृत्व प्रदान किया और ग्राहकों को तेजी से अपने कारोबार में बदलाव लाने में मदद के लिए क्लाउड, ऑटोमेशन आदि में उल्लेखनीय निवेश के साथ टीसीएस की अगले चरण की वृद्धि की बुनियाद रखी ताकि ग्राहकों को अपने कारोबार में तेजी से बदलाव करने में मदद मिल सके।

अडानी समूह की तीन कंपनियां एक्सचेंजों की निगरानी से बाहर

मुंबई । अदाणी ग्रुप की तीन कंपनियों को एक्सचेंजों ने निगरानी से बाहर किया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने अदाणी ग्रुप की तीन कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पॉवर और अदाणी विल्मर को शॉर्ट टर्म एडीशनल सर्विलांस नॉर्म्स (एएसएम) से बाहर कर दिया है। अब इन स्टॉक पर 17 मार्च से निगरानी खत्म कर दी गई है। बता दें कि अदाणी ग्रुप की इन तीनों कंपनियों को बीएसई और एनएसई ने 8 मार्च को एएसएम फ्रेमवर्क में रखा था। इसके अलावा, एनएसई ने कहा कि इन प्रतिभूतियों पर सभी मौजूदा डेरिवेटिव अनुबंधों पर एएसएम से पहले तय मार्जिन बहाल किया जाएगा। अदाणी ग्रुप के साथ ही टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) लिमिटेड का भी एक स्टॉक है जिसे एएसएम ढांचे से बाहर किया गया है। एक्सचेंजों ने कहा कि मार्जिन की लागू दर 50 प्रतिशत या मौजूदा मार्जिन जो भी अधिक हो वह लागू होगी, लेकिन मार्जिन की अधिकतम दर 100 प्रतिशत के अंदर होगी। एएसएम ढांचे के तहत शेयरों को रखने का मतलब है कि इंट्रा-डे ट्रेडिंग के लिए 100 फीसदी अपफ्रंट मार्जिन की आवश्यकता होगी।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के इस अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही धातु, बैंक और वित्तीय शेयरों में खरीददारी हावी होने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.06 अंक करीब 0.62 फीसदी बढ़कर 57,989.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 114.45 अंक करीब 0.67 फीसदी बढ़कर 17,100.05 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 21 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले, कोटक बैंक और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे ज्यादा लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों को भी काफी लाभ हुआ। इसके शेयर करीब 3.58 फीसदी बढ़े। वहीं दूसरी ओर आईसीआईसीआई, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, इंफोसिस के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में 9 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आईटीसी, मारुति, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स और सन फार्मा के पांच शेयर सबसे

ज्यादा नुकसान में रहे। आईटीसी के शेयरों में भी गिरावट रही। इसके शेयर करीब 1.51 फीसदी टूटे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 406.26 अंक की बढ़त के साथ 58,041.10 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 117.20 अंक फीसदी की बढ़त के साथ 17,102.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कम्पोजिट, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ के साथ ही उछला है। दिन में कारोबार के दौरान यूरोपीय बाजार लाभ में थे।

दास को मिला गवर्नर ऑफ द ईयर का सम्मान

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को साल 2023 के लिए 'गवर्नर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया गया। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध पत्रिका सेंट्रल बैंकिंग ने दास को यह उपाधि दी। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन 2015 में देश की ओर से पहली बार इस पुरस्कार से सम्मानित हुए थे। सेंट्रल बैंकिंग ने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान स्थिर नेतृत्व देने के लिए दास की प्रशंसा की है। एक प्रमुख गैर-बैंक फर्म का पतन, कोविड-19 महामारी की पहली और दूसरी लहर और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की वजह से बढ़ती महंगाई के दौर में गवर्नर शक्तिकांत दास का मजबूत और कुशल नेतृत्व प्रशंसनीय है। शक्तिकांत दास के नेतृत्व में आरबीआई ने कई महत्वपूर्ण सुधारों को लागू किया है, नई भुगतान प्रणालियों की शुरुआत की और महामारी के दौरान ग्रोथ को पुश करने वाले उपाय किए। गौरतलब है कि सेंट्रल बैंकिंग पब्लिकेशन पब्लिक पॉलिसी और फाइनैंशियल मार्केट से जुड़ी पब्लिकेशन कंपनी है। ये दुनियाभर के सेंट्रल बैंकों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के कामकाज पर अपनी नजर रखती है।

बाबा रामदेव की कंपनी को बड़ा झटका, स्टॉक एक्सचेंजों ने पतंजलि फूड्स के प्रेमोटरों के शेयर किए फ्रीज

(एजेंसी)

शेयर बाजार **NSE** और **BSE** ने बाबा रामदेव की अगुवाई वाले पतंजलि समूह की कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड **(PFL)** के प्रवर्तकों के शेयरों पर रोक लगा दी है। हालांकि कंपनी ने कहा कि इस फैसले का उसके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पतंजलि फूड्स लिमिटेड (जो पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज थी) ने गुरुवार को कहा कि कंपनी में उसके प्रवर्तकों की शेयरधारित पर रोक लगाने से उसकी वित्तीय स्थिति और कामकाज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। **PFL** ने गुरुवार को बताया कि **BSE** और **NSE** ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, आचार्य बालकृष्ण, पतंजलि परिवहन और पतंजलि ग्रामोद्योग न्यास समेत समेत उसकी 21 प्रवर्तक इकाइयों के शेयरों के लेनदेन पर न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता के नियमों का पालन नहीं करने की वजह से रोक लगा दी है। प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 का नियम 19ए(5) एक सूचीबद्ध इकाई के लिए 25 प्रतिशत की न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता **(MPS)** रखने को अनिवार्य बनाता है।

टाटा-बिसलेरी के बीच अधिग्रहण के लिए हो रही बातचीत खत्म, यह है कारण

(एजेंसी)

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने आज कहा कि उसने पैकेज्ड वाटर दिग्गज के संभावित अधिग्रहण के लिए बिसलेरी के साथ बातचीत समाप्त कर दी है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''कंपनी यह बताना चाहती है कि उसने संभावित लेनदेन के संबंध में बिसलेरी के साथ बातचीत बंद कर दी है और वह इस बात की पुष्टि करना चाहती है कि कंपनी ने इस मामले में कोई निश्चित समझौता या बाध्यकारी प्रतिबद्धता नहीं जताई है। बता दें कि बीते नवंबर में खबर आई थी कि कि भारत की सबसे बड़ी बोतलबंद पानी बेचने वाली कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल के मालिक कंपनी को करीब 6,000-7,000 करोड़ रुपए में टाटा समूह को बेच देंगे। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि मूल्यांकन को लेकर बातचीत रुक गई है। मीडिया रिपोर्ट्र्स में मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से बताया गया था कि बिसलेरी के मालिक इस सौदे से लगभग एक बिलियन डॉलर जुटाना चाहते थे। टाटा के साथ बातचीत में बाधा इसलिए आ गई क्योंकि दोनों कंपनियां मूल्यांकन पर सहमति नहीं बना पा रही थीं। बता दें कि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स पहले से ही हिमालयन नेचुरल मिनरल वाटर और टाटा वॉटर प्लस ब्रांड्स की मालिक है। बिसलेरी के अधिग्रहण से कंपनी को भारत में बोतलबंद पानी के ब्रांडों के बीच अपने पोर्टफोलियो के विस्तार का मौका मिलता। टाटा कंज्यूमर फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेगमेंट का आक्रामक खिलाड़ी है। कंपनी इस क्षेत्र के शीर्ष तीन में अपना नाम शामिल कराने का लक्ष्य बना रही है। यह खासकर इस समय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस भी एफएमसीजी सेगमेंट में मजबूती के साथ उतरने की तैयारी कर रही है। बिसलेरी के अधिग्रहण से टाटा पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर सेगमेंट में टॉप पोजिशन पर पहुंच जाती। माना जाता है कि बिसलेरी के अधिग्रहण के लिए अलग-अलग समय पर रिलायंस रिटेल, नेस्ले और डैनोन सहित कई बड़ी कंपनियों ने अपना प्रस्ताव दिया था। टाटा के साथ अधिग्रहण के लिए दो साल से बातचीत चल रही थी। नवंबर में बिसलेरी के चेयरमैन रमेश चौहान ने कहा था कि उन्होंने कुछ महीने पहले टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और टाटा कंज्यूमर के सीईओ सुनील डिसूजा से मुलाकात के बाद कंपनी को टाटा समूह को सौंपने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा था, 'मैं उन्हें पसंद करता हूं, वे अच्छे लोग हैं।'

कैंपा को फिर से बाजार में पेश करने पर कोका-कोला ने घटाए दाम

मुंबई ।(एजेंसी)

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स द्वारा 50 साल पुराने प्रतिष्ठित बेवरिज ब्रांड कैंपा कोला को कोला बाजार में फिर से पेश करने के बाद कोका-कोला ने प्रमुख राज्यों में अपनी कुछ सबसे कम स्टॉक रखने वाली इकाइयों की कीमतों में कमी की है। वितरकों ने कहा कि कोका-कोला की 200 मिलीलीटर कांच की बोतल जो पहले 15 रुपए की थी, अब तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 10 रुपए की हो गई है। कैंपा कोला के 200 मिलीलीटर पॉलिएथिलीन टेरेफ्थेलेट (पेट) बोतल की कीमत भी 10 रुपए ही है। साथ ही कांच की बोतलों को रखने के लिए खुदरा विक्रेताओं द्वारा भुगतान की जाने वाली क्रेट जमा को भी अब माफ कर दिया गया है। क्रेट जमा आमतौर पर 50 से 100 रुपए के बीच होता है।एक वितरक ने समझाया कि पीईटी बोतलें सीधे रेफ्रिजरेटर में जाती हैं लेकिन दुकानों पर क्रेट रखने से वह लोगों को काफी आकर्षित करती है क्योंकि वे आम तौर पर सामने रखी जाती हैं। एक वितरक ने कहा कि उनके कारोबार में कांच की बोतलों का योगदान 7-8 फीसदी है लेकिन उन्हें कांच की बोतलों की बिक्री पर जोर देकर इसे 50 फीसदी से अधिक करने के लिए कहा गया है। कोका-कोला इंडिया ने अपनी कांच की बोतलों की कीमतों में कमी के बारे में कोई जवाब नहीं दिया। पेप्सिको इंडिया ने एक ई-मेल में कहा कि उसने अपनी किसी भी स्टॉक कीपिंग यूनिट के उपभोक्ता मूल्य को कम नहीं किया है। कैंपा कोला को रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने पिछले साल प्योर ड्रिंक्स से 22 करोड़ रुपए में खरीदा था। पोर्टफोलियो में शुरुआत में कैंपा कोला, कैंपा लेमन और कैंपा ऑरेंज को शानदार पेय श्रेणी में शामिल किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश की जीडीपी में 6.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान

मुंबई । वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हिमाचल प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में स्थिर मूल्य पर 6.4 प्रतिशत या 8,143 करोड़ रुपए की वार्षिक वृद्धि होने का अनुमान है। राज्य की अर्थव्यवस्था स्थिर कीमतों पर 2021-22 में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू द्वारा विधानसभा में पेश आर्थिक समीक्षा के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में स्थिर मूल्य 2011-12 पर सकल घरेलू उत्पाद 1,34,576 करोड़ रुपए आंका गया है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए शुरुआती जीडीपी अनुमान 1,26,433 करोड़ रुपए है। इस तरह चालू कीमतों पर जीडीपी के 2022-23 में 1,95,404 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो इससे पिछले साल 1,76,269 करोड़ रुपए था। इस तरह चालू कीमतों पर जीडीपी में 19,135 करोड़ रुपए की वृद्धि अनुमानित है। समीक्षा के मुताबिक चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 10.9 प्रतिशत रह सकती है, जो 2021-22 में 13.5 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) के सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 2,22,227 रुपए (चालू कीमतों पर) होने का अनुमान है। राज्य में बेरोजगार की दर चार प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 4.1 प्रतिशत है।

अमेरिका में बैंकों के समूह ने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को विफल होने से बचाया

न्यूयॉर्क ।(एजेंसी)

अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में से 11 बैंकों ने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के लिए 30 अरब डॉलर के राहत पैकेज की घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में जारी संकट को और गहराने से रोकना है। मदद नहीं मिलने की स्थिति में फर्स्ट रिपब्लिक बैंक एक हफ्ते से भी कम समय में विफल होने वाला तीसरा बैंक बन जाता। फर्स्ट रिपब्लिक बैंक भी सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के समान संकट का सामना कर रहा था और उसके ग्राहक भी एसवीबी के ग्राहकों के समान ही हैं। एसवीबी शुक्रवार को तब संकट में आ गया था जब उसके जमाकर्ताओं ने कुछ ही घंटों में 40 अरब डॉलर की राशि निकाल ली थी। फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के पास बीते साल 31 दिसंबर तक कुल 176.4 अरब डॉलर का जमा था। बैंकों के समूह ने एक बयान जारी करके कहा कि कई बैंकों से बड़े पैमाने पर जमा निकली गई है जो फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) द्वारा तय स्तर से अधिक है। बैंकों ने संयुक्त बयान में कहा कि अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों ने जो कदम उठाए हैं वे देश की बैंकिंग प्रणाली में उनके भरोसे को दर्शाता है। हम अपनी वित्तीय ताकत और नकदी को बड़ी प्रणाली में डाल रहे हैं, जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। फर्स्ट रिपब्लिक के शेयर 36 प्रतिशत तक गिर गए थे लेकिन राहत पैकेज की खबरें आने पर इनमें तेजी आई। देश के बैंकिंग नियामकों ने बयान जारी करके इस राहत पैकेज की सराहना की। बैंकों के इस कदम के बाद वित्त मंत्री जेनेट येलेन, मुद्रा के कार्यवाहक नियंत्रक माइकल हसू, फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल और एफडीआईसी के अध्यक्ष मार्टिन ग्रुएनबर्ग ने एक बयान में कहा कि बड़े बैंकों के समूह ने जो समर्थन दिखाया है वह स्वागत योग्य है और यह बैंकिंग प्रणाली के जुझारूपन को दिखाता है।

कच्चा तेल स्थिर, पेट्रोल और डीजल की कीमत बदली

- ब्रेंट क्रूड पिछले भाव 74.75 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है। आज भी कई शहरों में तेल की कीमतों में बदलाव दिख रहा है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की खुदरा कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 96.59 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल यहां 17 पैसे गिरकर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे सस्ता हुआ और 96.44 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे सस्ता होकर 89.62 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 27 पैसे महंगा हुआ जो 107.74 रुपए लीटर हो गया है। डीजल 26 पैसे चढ़कर 94.51 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल के भाव स्थिर दिख रहे हैं। ब्रेंट क्रूड पिछले भाव 74.75 डॉलर प्रति बैरल पर टिका हुआ है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी पिछले सत्र से मामूली गिरकर 68.35 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.74 रुपए और डीजल 94.51 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट होल्डर्स के लिए एक नॉमिनी रखना अनिवार्य

नॉमिनी का नाम जोड़ने की अंतिम तिथि 31 मार्च

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने सभी डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट होल्डर्स के लिए एक नॉमिनी रखना अनिवार्य कर दिया है। नॉमिनी का नाम जोड़ने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2023 है। अगर आपके डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट में नॉमिनी का नाम नहीं हो तो उसे समय रहते जोड़ लीजिए। नॉमिनी नहीं जोड़ने पर आपका खाता फ्रीज कर दिया जाएगा। इसके बाद आप स्टॉक मार्केट में शेयर खरीद और बेच नहीं पाएंगे। पहले नॉमिनी को जोड़ने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2022 थी। नॉमिनी जोड़ने के लिए पहले अपने डीमैट अकाउंट को लॉगिन करें। अब पेज पर माय नो मिनी सेग्मेंट में जाएं। यहां आप एड नॉमिनी विकल्प चुन सकते हैं। अब नॉमिनी की डिटेल फाइल करें और नॉमिनी का आईडी प्रूफ अपलोड करें। इसके बाद प्रतिशत में नॉमिनी का हिस्सा दर्ज करें। अब डॉक्यूमेंट पर ई-साइन करें। यह प्रोसेस आधार ओटीपी के जरिए पूरी करनी होगी। इसके बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा और 24-48 घंटों के भीतर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

आप अपने डीमैट खाते में नॉमिनी को जोड़ने के लिए, आप नामांकन फॉर्म भर सकते हैं। इसके लिए उस पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और कंपनी के हेड ऑफिस के पते पर कुरियर करें। नॉमिनेशन आपके ट्रेडिंग और डीमैट खाते पर लागू होगा. हालांकि, नॉमिनी को आपके डीमैट खाते में जोड़ा जाएगा। ऐसे निवेशक जिन्होंने पहले ही नॉमिनी की डिटेल दे रखी है, उन्हें ये जानकारी देने की जरूरत नहीं है। बता दें कि ऐसे निवेशक जिन्होंने नए ट्रेडिंग और डीमैट अकाउंट बनाए हैं, उन्हें एक डिक्लेरेशन फॉर्म के जरिये नामांकन देना होगा। डिक्लेरेशन फॉर्म पर अकाउंट होल्डर के साइन होंगे। हालांकि, नामांकन दाखिल करते समय किसी गवाह की जरूरत नहीं होती है। ई-साइन सर्विस का इस्तेमाल करके भी नॉमिनी फाइल किया जा सकता है। यानी आप ऑनलाइन नॉमिनी फाइल कर सकते हैं।

बैंक डूबने पर जमाकर्ता के पास राहत के रूप में रहता है डीआईसीजीसी इंश्योरेंस कवर!

बैंक डूब जाता है तो 5 लाख की रकम आपको वापस मिलेगी, भले ही अकाउंट में 5 लाख से ज्यादा हों

नई दिल्ली ।

अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम इस समय बड़ी त्रासदी झेल रहे हैं। दो हफ्ते के अंदर ही अमेरिका में तीन दिग्गज बैंक फेल हो चुके हैं। एसवीबी फाइनेंशियल और सिल्वरगेट कैपिटल के बाद अब सिग्नेचर बैंक को भी न्यूयॉर्क स्टेट फाइनेंशियल रेगुलेटर्स ने बंद कर दिया है। हालांकि फेडरल रिजर्व ने एसवीबी और सिग्नेचर्स बैंक के डिपॉजिटर्स को आश्वासन दिया है कि उनका डिपॉजिट बिल्कुल सुरक्षित है। फेड ने कहा कि दोनों बैंक के डिपॉजिटर्स अपने पैसों को निकाल सकेंगे। पिछले कुछ सालों में वित्तीय गड़बड़ियों के चलते भारत के कई बैंकों की हालत खराब हो गई थी और नौबत यहां तक आ गई थी कि रिजर्व बैंक ने पैसों लेनदेन पर रोक लगा दी थी।

इन घटनाओं के कारण कई लोगों के मन में यह सवाल आता है कि अगर बैंक डूब जाए तो उनके पैसों का क्या होगा? बैंक डूबने या दिवालिया होने पर जमाकर्ता के पास एकमात्र राहत डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन (डीआईसीजीसी) द्वारा दिया जाने वाला इंश्योरेंस कवर होता है। अब डीआईसीजीसी के तहत इंश्योरेंस कवर 1 लाख रुपए से 5 लाख रुपए तक बढ़ाया गया है। यानी कि बैंक के अकाउंट में आपके पैसे जमा है और वह डूब जाता है तो 5 लाख रुपए की रकम आपको वापस मिलेगी, भले ही अकाउंट में जमा रकम 5 लाख से ज्यादा क्यों ना हो।

डीआईसीजीसी कवर सभी बैंकों के लिए उपलब्ध है। हालांकि उन्हें इस सुविधा के लिए रजिस्ट्रेशन करना होता है और इंश्योरेंस प्रीमियम का भुगतान करना होगा। डीआईसीजीसी के गाइडलाइंस के मुताबिक बैंक के लाइसेंस रद्द की तारीख या मर्जर या पुनर्निर्माण के दिन बैंक में प्रत्येक जमाकर्ता को उसके पास मूलधन और ब्याज की राशि के लिए अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा किया जाता है। इसका मतलब यह है कि एक ही बैंक में आपके सभी अकाउंट्स को मिलाकर कितना ही पैसा जमा क्यों न हो, आपको केवल 5 लाख रुपए का इंश्योरेंस कवर मिलेगा। इस राशि में मूलधन और ब्याज की राशि दोनों शामिल हैं।

Sports

रिकॉर्ड : 10 लाख प्रशंसकों ने जताई अर्जेंटीना का मैच देखने की इच्छा, किया आवेदन

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना का विश्व चैंपियन बनने के बाद स्वदेश में पहला मैत्री मैच देखने के लिए 10 लाख से अधिक प्रशंसक ऑनलाइन टिकट खरीदने के लिए उमड़ पड़े। लियोनेल मेसी की टीम 23 मार्च को पनामा के खिलाफ ब्यूनस आयर्स के मोनुमेंटल डे नुनेज स्टेडियम में मैत्री मैच खेलेगी। अर्जेंटीना के फुटबॉल संघ ने इस मैच के लिए 63000 टिकट बिक्री के लिए रखे थे जिनकी कीमत 57 अमेरिकी डॉलर से 240 अमेरिकी डॉलर रखी गई थी। टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के कुछ समय बाद ही मैच के सभी टिकट बिक गए। टिकटों की कीमतों ने आर्थिक संकट से जूझ रहे दक्षिण अमेरिका के इस देश में चर्चा शुरू हो गई है लेकिन इसके बावजूद सभी टिकट केवल दो घंटेमें बिक गए। अर्जेंटीना 28 मार्च को सैंटियागो डेल एस्टेरो प्रांत में कुराकाओ के खिलाफ एक और मैत्री मैच खेलेगा। उस मैच के टिकट अभी उपलब्ध नहीं हैं।

भारत के पास डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने का अच्छा मौका, हमारे पास एक अच्छी टीम है : सचिन

(एजेंसी)।

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि भारत के पास जून में लंदन के केनिंगटन ओवल में खेले जाने वाले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2021-23 फाइनल जीतने का अच्छा मौका है। इस महीने की शुरुआत में, न्यूजीलैंड ने क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल में शुरुआती टेस्ट में श्रीलंका को एक विकेट से हराकर भारत को डब्ल्यूटीसी के फाइनल में प्रवेश करने में मदद की थी। भारत ने नागपुर और दिल्ली टेस्ट जीतकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी बरकरार रखी, जिसके बाद उन्होंने सीरीज 2-1 से जीत ली। तेंदुलकर, जिन्हें खेल के महान खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, ने कहा कि भारत को परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए टीम चुनने की जरूरत है। तेंदुलकर ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2023 में कहा- हमने अच्छा खेला है और हमारे पास एक अच्छी टीम है, एक संतुलित टीम है। उन स्थितियों में, आपको ऊपरी स्थितियों को देखना होगा और फिर भी पूर्वानुमान चलन में आता है। टेस्ट क्रिकेट में आपको अगले पांच दिनों के लिए परिस्थितियों को समझना होगा और उसके अनुसार टीम चुननी होगी। उन्होंने कहा- सही संतुलन बनाने के लिए टीम में अतिरिक्त स्पिनरों को रखना एक कप्तान के लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण होगा। मैं सिर्फ भारत के नजरिए से सोच रहा हूं कि आस्ट्रेलियाई लोगों को वह करने दें जो वे करना चाहते हैं। हमारे पास बहुत अच्छा मौका है। 2021 में भारत ने WTC 2019-21 का फाइनल खेला, लेकिन बर्मिंघम के एजबेस्टन में केन विलियमसन की न्यूजीलैंड से हार गए। तेंदुलकर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को भी कहा।

उन्होंने कहा, मैं एक चिकित्सा विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन गेंद पर लार वापस आनी चाहिए। यह 100 से अधिक वर्षों से हुआ है और कुछ भी कठोर नहीं हुआ है। हां, 2020 में सही फैसला लिया गया था, लेकिन वह अब हमारे पीछे है। अब, यह कुछ ऐसा है जिस पर विचार किया जाना चाहिए, तेंदुलकर ने कहा।

पेन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लिया

होबार्ट ।(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने खेल के सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया है। पेन ने यहां क्वींसलैंड के खिलाफ घरेलू शेफील्ड शील्ड प्रथम श्रेणी मैच के बाद संन्यास की घोषणा की। पेन ने पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। विकेटकीपर बल्लेबाज पेन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से 35 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से उन्होंने 2021 तक 23 टेस्ट मैचों में उन्होंने कप्तानी की। दक्षिण अफ्रीका में 2018 में गेंद से छेड़छाड़ मामले के बाद स्टीव स्मिथ की जगह उन्हें कप्तान बनाया गया था। पेन को साल 2021 में एक विवाद के बाद कप्तानी छोड़नी पड़ी थी। उनपर एक पूर्व कर्मचारी को आपत्तिजनक संदेश भेजने के आरोप थे। पेन ने साल 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड में पहला टेस्ट खेला था। उनके नाम टेस्ट मैचों में 32.63 की औसत से रन बनाए और उनका उच्चतम स्कोर 92 रन रहा। इसके अलावा विकेटकीपर के रूप में उनके नाम 157 कैच और स्टंप हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया की ओर से 35 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।

पेन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 82 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। जिसमें 35 टेस्ट, 35 एकदिवसीय और 12 टी20 शामिल हैं। इन 82 मैचों में उन्होंने 2400 से ज्यादा रन बनाए हैं जिसमें 1534 रन टेस्ट में, 890 रन एकदिवसीय और 82 रन टी20 क्रिकेट करियर में बनाए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पेन के नाम केवल 1 शतक और 14 अर्धशतक हैं।

स्वियातेक, अल्कारेज बीएनपी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स । पोलैंड की इगा स्वियातेक और कजाकिस्तान की रायबकिनाबीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयीं हैं। स्वियातेक ने जहां क्वार्टर फाइनल में सोराना क्रिस्टिया को दो सेट तक चले मुकाबले में आसानी से 6-2, 6-3 से पराजित किया। वहीं रायबकिना ने इससे पहले हुए एक अन्य मुकाबले में करोलिना मुचोवा को तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6 (4), 2-6, 6-4 से हराया था। अब स्वियातेक का सेमीफाइनल में मुकाबला रायबकिना से होगा। वहीं पुरुष वर्ग की बात करें तो कार्लोस अल्कारेज सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। अल्कारेज ने क्वार्टरफाइनल में फैलिक्स अगूर को हराया।

युवराज ने ऋषभ से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया

मुम्बई ।(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने कार हादसे से उबर रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उनका मनोबल बढ़ाया है। युवराज ने इस मुलाकात की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि यह चैम्पियन फिर से उभरेगा। तस्वीर में युवराज , ऋषभ के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। ऋषभ गत वर्ष दिसंबर में कार दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। इसके बाद उनके घुटने की सर्जरी हुई थी। अभी वह अपने घर में हैं जहां उनका इलाज चल रहा है। युवराज ने ऋषभ के साथ फोटो साझा कर लिखा, बच्चों के कदमों पर। यह चैम्पियन जल्द उभरेगा। उनके साथ बातचीत करना अच्छा रहा। वह सकारात्मक और हास्यास्पद आदमी है। आपके लिए अधिक शक्ति ऋषभ। इस तस्वीर के आते ही ही सोशल मीडिया पर जमकर कमेंट्स आने लगे। ऋषभ ने कुछ दिन पहले ही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शतरंज खेलते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की थी। एक छत पर टेबल पर उसके सामने शतरंज की बिसात पड़ी थी, साथ ही एक खाली कुर्सी भी थी। वह किसी के साथ शतरंज खेलते हुए दिखाई दिए पर यह स्पष्ट नहीं है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज किसके साथ खेल रहा था। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, - क्या कोई अंदाजा लगा सकता है कि कौन खेल रहा है? इससे पहले, इस क्रिकेटर ने लिगामेंट टियर से संबंधित अपनी सर्जरी पर जानकारी दी थी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने ट्विटर पर लिखा था- मैं सभी समर्थन और शुभकामनाओं के लिए आभारी और आभारी हूं। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही। ठीक होने की राह शुरू हो गई है और मैं आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हूं। बीसीसीआई और सरकारी अधिकारियों को उनके अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद। गौरतलब है कि यह क्रिकेटर अब तेजी से ठीक हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप : लक्ष्य हारे, त्रीसा-गायत्री क्वार्टरफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम । भारत के लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। लक्ष्य को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ 52 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं भारत के ही सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग ने 21-10, 17-21, 19-21 से हराया। एक अन्य मुकाबले में भारत की ही त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी जीत के साथ ही क्वार्टरफाइनल में पहुंच गयी है। त्रीसा और गायत्री ने जापान की युकी फुकुशिमा और सायाका हिरोटा की जोड़ी को एक रोमांचक मुकाबले में 21-14, 24-22 से हराया। अब इस भारतीय जोड़ी का सामना ली वेन मेई और लियू जुआन जुआन की चीनी जोड़ी से होगा।

विश्व रैंकिंग हमारे लिए मायने नहीं रखती: हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह

राउरकेला। हॉकी प्रो लीग 2022-23 में लगातार चार प्रभावशाली जीतों के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ताजा विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह का कहना है कि खिलाड़ियों की प्राथमिकता अपने मौकों को भुनाना और विपक्षी टीम पर दबाव बनाना है ना कि रैंकिंग के बारे में सोचना।हॉकी प्रो लीग 2022-23 में लगातार चार प्रभावशाली जीतों के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम ताजा विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गयी है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह का कहना है कि खिलाड़ियों की प्राथमिकता अपने मौकों को भुनाना और विपक्षी टीम पर दबाव बनाना है ना कि रैंकिंग के बारे में सोचना। जीत की हैट्रिक के बाद, भारतीय टीम ने प्रो लीग के आखिरी घरेलू मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार रात शानदार प्रदर्शन किया और 2-2 (4-3 शूट आउट) की जीत हासिल की।इससे पहले भारत ने मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी को 3-2 और 6-3 से तथा ऑस्ट्रेलिया को 5-4 से हराया था। भारत के इस प्रदर्शन ने उसे प्रो लीग की पूल तालिका में आठ मैचों में 19 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है। स्पेन आठ मैचों में 17 अंकों के साथ दूसरे, अर्जेंटीना 13 अंकों के साथ तीसरे और विश्व चैंपियन जर्मनी 11 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। इन परिणाम से भारत विश्व रैंकिंग में ऊपर आ गया है क्योंकि उसने रैंकिंग में अपने से ऊपर की टीमों को हराया है। भारत ने घर में जब अपना अभियान शुरू किया था तो वह विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर था जबकि जर्मनी पहले और ऑस्ट्रेलिया चौथे स्थान पर था। भारत अब रैंकिंग में चौथे स्थान पर आ गया है जबकि जर्मनी तीसरे स्थान पर खिसक गया है। प्रो लीग में 11 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर हरमनप्रीत ने कहा,मुझे लगता है कि ये चीजें (विश्व रैंकिंग) हमारे लिए ज्यादा मायने नहीं रखती है। जब हम खेलते हैं तो हम इसका ध्यान नहीं रखते हैं। हमारी एकमात्र प्राथमिकता मौकों को भुनाना और विपक्षी टीम पर दबाव बनाना है। कुछ युवा खिलाड़ी, जिन्हे अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है, ने अपने और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईपीएल खेलने इंग्लैंड की नागरिकता लेंगे मो आमिर

दोहा ।(एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (आईपीएल) के आकर्षण से पाकिस्तानी क्रिकेटर भी बचे नहीं रहे पाये हैं। समय-समय पर कई पाक क्रिकेटरों ने कहा है कि वे भारत की इस सबसे बड़ी क्रिकेट लीग में खेलना चाहते हैं पर राजनीति गतिरोध के कारण ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। भारत ने आईपीएल के लिए पाक क्रिकेटरों को प्रतिबंधित कर रखा है। वहीं अब आईपीएल में खेलने के लिए पाक के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर इंग्लैंड की नागरिकता लेने जा रहे हैं। पूर्व क्रिकेटरों की लेजेंड्स लीग क्रिकेट के लिए यहां आये आमिर ने कहा , मुझे अभी ब्रिटिश नागरिकता नहीं मिली है। अगले साल 2024 में नागरिकता मिलने की संभावना है। ऐसे में जब ये सब हो जाएगा तो आगे का सोचा जाएगा। अभी भविष्य को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा, भारत और पाक के बीच जो हालात है उस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। कब क्या हो जाए कोई नहीं जानता है। हो सकता है कि मैं फिर पाकिस्तान के लिए खेलने लग जाऊं या फिर किसी दूसरे देश के लिए खेलने लगूं। ये सब अभी किसी को नहीं पता है। मैं समय से पहले अभी कुछ नहीं कह सकता हूं। समय आने पर सबको पता चल जाएगा कि मेरी भविष्य की योजना क्या है। आमिर लेजेंड्स लीग क्रिकेट से पहले पाकिस्तान सुपर लीग में खेल रहे थे। आमिर ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी धारदार गेंदबाजी से सबको हैरान कर दिया था। हालांकि साल 2010 में वह सलमान बट और मोहम्मद आसिफ के साथ मैच फिक्सिंग में फंस गए थे, इसके बाद उनपर पीसीबी ने प्रतिबंध लगा दिया था। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच में आमिर ने जानबूझकर नो बॉल फेंकी थी। इसके बाद एक स्टिंग ऑपरेशन में यह खुलासा हुआ था। जिसके कारण आसिफ, आमिर और बट को जेल तक जाना पड़ा था। इसके साथ ही इन तीनों पर पांच साल का प्रतिबंध भी लगा था। साल 2015 में प्रतिबंध समाप्त होने के बाद तीनों की पाक घरेलू क्रिकेट में वापसी हुई पर केवल आमिर को ही दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का अवसर मिला।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता गौरव दांगी का मंत्री सिलावट करेंगे सम्मान

इन्दौर । खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में इन्दौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ी गौरव दांगी द्वारा कलारिपयट्टू खेल में स्वर्ण पदक अर्जित करने पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट 18 मार्च को सुबह 10 बजे कम्पेल में आयोजित कार्यक्रम में गौरव दांगी का सम्मान करेंगे। उल्लेखनीय है कि 30 जनवरी से 11 फरवरी, 2023 तक मध्यप्रदेश के 8 शहरों में 27 खेलों में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2022 का आयोजन किया गया था। जिसके अन्तर्गत इन्दौर में भी विभिन्न खेल आयोजित हुए। इन खेलों में मध्यप्रदेश ने 39 गोल्ड एवं 30 सिल्वर तथा 27 कांस्य पदक सहित कुल 96 पदक हासिल कर 36 राज्यों/ केन्द्र शासित प्रदेशों मेंसे तीसरा स्थान प्राप्त कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इन खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपने हुनर का अविस्मरणीय प्रदर्शन कर प्रदेश को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया। जिसमें सांवेर विधानसमा क्षेत्र के खिलाड़ी गौरव दांगी ने कलरिपयाट्टू खेल में स्वर्ण पदक अर्जित किया।

कॉनवे के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने बनाये दो विकेट पर 155 रन

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड ने सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के अर्धशतक की सहायता से श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 155 रन बनाए। बारिश के कारण पहले दिन के खेल में बाधा आई और मात्र 48 ओवर ही हो पाये। इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। पारी की शुरुआत करते हुए कॉनवे ने 78 रन बनाये जबकि टॉम लैथम ने 21 रनों की पारी खेली। इन दोनो के ही बीच पहले विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी हुई। खराब मौसम के कारण दिन का खेल समाप्त घोषित किये जाने के समय केन विलियमसन 26 और हेनरी निकोल्स 18 रनों पर खेल रहे थे। आज सुबह भारी बारिश के कारण सुबह के सत्र में खेल नहीं हो पाय। लंच के बाद ही टीमें मैदान पर उतर पायीं। श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया पर उसे उसे इसका लाभ नहीं मिला। कीवी बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी की। कॉनवे और लैथम ने अच्छी शुरुआत की। लैथम ने 21 रन बनाये पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये। वहीं कॉनवे अपना आठवां अर्धशतक लगाने के बाद स्पिनर धनंजय डिसिल्वा की गेंद पर पेवेलियन लौट गये।

अय्यर के नहीं होने से विश्वकप की तैयारियां प्रभावित होंगी : पांड्या

मुंबई ।(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने कहा है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति से भारत के विश्वकप की तैयारियां प्रभावित होंगी। अय्यर पीठ की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। अभी वह कब तक मैदान में वापसी करेंगे। ये अभी तय नहीं हुआ है। अय्यर इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल के शुरुआती मैचों से भी बाहर हो गये हैं। पांड्या ने कहा, ''निश्चित तौर पर श्रेयस की वापसी की कोई समय सीमा तय नहीं है पर हम अच्छे की उम्मीद कर रहे हैं। हम उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा,''उनके टीम में नहीं रहने का प्रभाव पड़ेगा और हमें उनकी कमी खलेगी। वहीं अगर वह जल्दी वापसी नहीं कर पाते हैं तो हमें कोई अन्य विकल्प तलाशना होगा। अगर वह टीम में आते हैं यह खुश की बात है पर अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें अभी से इस बात पर विचार करना होगा कि किस प्रकार आगे जाना। विश्वकप से ठीक पहले भारतीय टीम में खिलाड़ियों की फिटनेस प्रभावित हो रही है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी पीठ की सर्जरी के कारण बाहर हैं। अब देखना है कि वह विश्वकप तक वापसी कर पाते हैं या नहीं। पांड्या ने कहा,'' ऐसी कोई दीर्घकालिक योजना नहीं है। बुमराह पिछले कुछ समय से टीम के साथ नहीं है। उनके बाहर होने के बाद भी हमारे अन्य गेंदबाजों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमारे पास सभी गेंदबाज अनुभवी हैं। बुमराह के होने से बड़ा अंतर पैदा होता है पर इसके बाद भी हम परेशान नहीं है क्योंकि उनकी जगह शामिल गेंदबाजों ने अब तक अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई है। आगे भी हमें उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

ब्रिटेन में घुड़सवारी रेस में भाग लेते हुए डेवी रुसल और अन्य प्रतियोगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूँगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखंइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुँच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित आौद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तरी ईराक में रहस्यमयी हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 5 लोग मारे गए

-मृतकों में प्रतिबंधित कुर्द विद्रोही समूह से जुड़े चरमपंथी भी शामिल

तेहरान । उत्तरी ईराक में एक रहस्यमय हेलीकॉप्टर दुर्घटना में प्रतिबंधित कुर्द विद्रोही समूह से जुड़े चरमपंथियों सहित कम से कम 5 लोग मारे गए। इराकी कुर्द द्वारा संचालित आतंकवादरोधी संगठन और क्षेत्र प्रमुख के बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। आतंकवादरोधी संगठन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि एक एएस350 यूरोकॉप्टर हेलीकॉप्टर बुधवार रात इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र स्थित दोहुक प्रांत के चमांके जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कुर्दिश क्षेत्र के प्रमुख नेचिरवन बरजानी के प्रवक्ता लॉक गुफरी ने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। लॉक गुफरी ने ट्वीट किया कि हेलीकाप्टर के स्वामित्व की जांच सुरक्षा अधिकारियों द्वारा की जा रही है। दुर्घटनास्थल पर मौजूद एक जांचकर्ता ने कहा कि हेलीकॉप्टर में कम से कम सात लोग सवार थे। बयान में कहा गया है कि हेलीकॉप्टर प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पीकेके के चरमपंथियों को ले जा रहा था। यह घटना रहस्य बनी हुई है, क्योंकि अभी तक किसी भी पार्टी ने सैन्य हेलीकॉप्टर के स्वामित्व का दावा नहीं किया है। पीकेके के प्रवक्ता जाग्रोस हिवा ने कहा कि समूह के पास हेलीकॉप्टर नहीं है और इस घटना की जांच की जा रही है।

ढाई टन यूरेनियम गायब होने से विश्व भर में हड़कंप

वियना। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। संयुक्त राष्ट्र के परमाणु परीक्षकों ने जांच के दौरान पाया है। लीबिया की एक साइट से यूरेनियम गायब है। इसकी मात्रा लगभग ढाई टन है। महानिदेशक राफेल ग्रासी ने जानकारी देते हुए कहा, प्राकृतिक यूरेनियम अयस्क से भरे हुए 10 ड्रम गायब हैं। जहां से यूरेनियम गायब हुआ है, वह इलाका सरकार की निगरानी से बाहर का है। अधिकारियों को डर है कि यह यूरेनियम आतंकी संगठनों या तानाशाह शासकों के हाथ में आने से परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मंगलवार को लीबिया के उस साइट का निरीक्षण किया था। जहां से यूरेनियम गायब हुआ है। दुनिया भर में परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ती ही जा रही है। अफ्रीकी देश लीबिया से ढाई टन यूरेनियम गायब होने से, दुनिया के देशों में हड़कंप मच गया है।

समुद्र तल में मिली 400 साल पुरानी रेशमी पोशाक

एमस्टड्रम । नीदरलैंड के समुद्र तल में एक जहाज के अवशेषों से रेशम की 1620 में बनी हुई एक पोशाक पूरी तरह से सुरक्षित मिली है। यह पोशाक सारी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह जहाज 1650 में डूबा था। इस जहाज में अत्यधिक महंगी रेशमी साटन की पोशाक के साथ महिला प्रसाधन के सामान थे। शोधकर्ताओं के अनुसार यह रेशमी पोशाक किसी महिला की है। जिसे 1620 में तैयार किया गया था। इसे नीदरलैंड के संग्रहालय में सुरक्षित रूप से प्रदर्शित किया गया है। इस पोशाक को देखने के लिए रोजाना हजारों लोग पहुंच रहे हैं। 400 वर्ष से ज्यादा कोई कपड़ा पानी में रहते हुए कैसे सुरक्षित रह सकता है। इसको लेकर आश्चर्य बना हुआ है।

मलावी में चक्रवात फेडी के कहर से 326 की मौत, हजारों घर धराशायी, लाखों हुए विस्थापित

मलावी । दक्षिण अफ्रीका के मलावी में चक्रवात फेडी ने कोहराम मचाया। चक्रवात फेडी से मलावी में मरने वालों की संख्या 225 से बढ़कर 326 हो गई है। देश में दो हफ्ते का राष्ट्रीय शोक और आपातकाल घोषित किया गया है। देश के राष्ट्रपति ने गुरुवार को कहा कि दक्षिणी अफ्रीका में पीड़ितों की कुल संख्या फरवरी से 400 से अधिक हो गई है। बचावकर्ता अधिक शवों की खोज कर रहे हैं, क्योंकि चक्रवात के बाद दक्षिणी अफ्रीका की मुख्य भूमि पर जीवित बचे लोगों को खोजने की संभावना कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विस्थापित लोगों की संख्या 1 लाख 83 हजार 159 हो गई है। मलावी के राष्ट्रपति चकवेरा ने वैश्विक सहायता के लिए अपनी अपील फिर से शुरू की है। इस सप्ताह मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और कीचड़ में कई जीवित लोग फंस चुके हैं, बचावकर्ता पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। बचे लोगों के लिए 300 से अधिक आपातकालीन आश्रय स्थल बनाए गए हैं, जबकि संकट से निपटने के लिए सेना और पुलिस को तैनात किया गया है। राष्ट्रपति चकवेरा ने कहा कि चक्रवात ने संपत्ति, घरों, फसलों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है, जिसमें उन पुलों को भी शामिल किया गया है, जिन्हें तुरंत निर्माण करने की जरूरत है। दक्षिणी अफ्रीका में पहली बार चक्रवात का सामना फरवरी के अंत में करना पड़ा।

मेडागास्कर में व मोजाम्बिक भी चक्रवात से प्रभावित

मेडागास्कर और मोजाम्बिक भी चक्रवात से प्रभावित है। बुधवार से बारिश कम हो गई है लेकिन फ्रेडी अभी भी दुनिया के सबसे लंबे उष्णकटिबंधीय तूफानों में से एक बनने की राह पर है। मोजाम्बिक में तूफान ने पिछले हफ्तों में कम से कम 73 लोगों की मौत और हजारों लोगों को विस्थापित किया और मेडागास्कर में 17 और लोगों की मौत हो गई। मोजाम्बिक के राष्ट्रपति फिलिप न्यासी ने भी मलावी की सीमा से सटे जाम्बेज़िया प्रांत का दौरा करने के बाद नष्ट हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए आपातकालीन सहायता की अपील की है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जाहिर की चिंता

पीएम नरेंद्र मोदी ने विगत दिवस मंगलवार को चक्रवाती तूफान फ्रेडी पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने मलावी, मोजाम्बिक और मेडागास्कर में हुई तबाही को लेकर शोक व्यक्त किया था और कहा था कि भारत कठिन समय में प्रभावित देशों के लोगों के साथ खड़ा है।

वेस्ट बैंक में इजराइली सैनिकों ने 4 फिलिस्तीनियों मार दी गोली

रामल्ला । फिलीस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जेनिन के उत्तरी वेस्ट बैंक शहर पर धावा बोलने वाले इजराइली सैनिकों ने चार फिलिस्तीनियों की गोली मारकर हत्या कर दी। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बयान का हवाला देते हुए बताया कि अन्य 20 फिलिस्तीनी घायल हो गए, इनमें से चार की हालत गंभीर है। फिलिस्तीनी सूत्रों और चश्मदीदों के अनुसार, इजराइली अंडरकवर यूनिट द्वारा शहर पर धावा बोलने के बाद जेनिन की मुख्य सड़क पर इजराइली सैनिकों और फिलिस्तीनी उग्रवादियों के बीच भारी संघर्ष शुरू हो गया।

गोलीबारी पर इजरायल की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कब्जे वाले वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों और इजरायलियों के बीच तनाव बढ़ने के बीच इजरायली सुरक्षा बलों ने कुछ महीनों में नियमित रूप से जेनिन में छापे मारे हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि जनवरी से इजरायली सैनिकों द्वारा 84 फिलिस्तीनियों को मार दिया गया था। इस बीच, इजराइली आंकड़े बताते हैं कि फिलिस्तीनियों द्वारा किए गए हमलों में 14 इजराइली मारे गए।

एथेंस में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी।

शरीफ ने राजनीतिक नेतृत्व से राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया, इमरान ने कहा- वार्ता को तैयार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को राजनीतिक नेतृत्व से राष्ट्रीय एकता

कायम करने की अपील की, ताकि देश को नकदी संकट से उबारा जा सके। इससे एक दिन पहले शरीफ ने पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष इमरान खान को देश में जारी राजनीतिक और आर्थिक संकट के समाधान के लिए संवाद की पेशकश की थी। सीनेट की स्वर्ण जयंती पर आयोजित सत्र में शरीफ ने कहा कि बिना राजनीतिक स्थिरता के आर्थिक स्थिरता नहीं लाई जा सकती। इमरान खान ने भी सुलह-समझौते का संकेत देते हुए कहा कि वह किसी से भी बातचीत करने और देश की तरक्की, हित और लोकतंत्र के लिए कोई भी कुर्बानी देने को तैयार हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, ''हम पाकिस्तान की तरक्की, हित और लोकतंत्र के लिए किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटेंगे।'' खान ने कहा, ''मैं किसी से भी बातचीत करने और इसके लिए हर कदम उठाने को तैयार हूं।

पाक का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, और अधिक कर्ज देने के लिए ड्रैगन तैयार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए राहतभरी की खबर है। पाक के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी देखी गई है तो अब उसका करीबी दोस्त चीन उसे और अधिक कर्ज देने के लिए तैयार हो गया है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने गुरुवार को कहा कि 10 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में एक करोड़ 80 लाख डॉलर की वृद्धि हुई है।

केंद्रीय बैंक द्वारा जारी एक हैंडआउट में कहा गया है कि इसका भंडार बढ़कर 4.319 अरब डॉलर हो गया है, जबकि देश के वाणिज्यिक बैंकों के पास फिलहाल 5.527 अरब डॉलर का विदेशी भंडार है। बैंक ने कहा कि देश के पास कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.846 अरब डॉलर है। पाकिस्तान के इन्वेस्टमेंट फर्म आरिफ हबीब लिमिटेड ने अपनी गणना के हिसाब से बताया है कि इतने विदेशी मुद्रा में पाकिस्तान एक महीने तक विदेशी आयात कर पाएगा।

चीन के एक बैंक ने पाकिस्तान को और अधिक कर्ज देने का आश्वासन दिया है। मीडिया के अनुसार एक चीनी बैंक ने पाकिस्तान को आश्वासन दिया है कि वह अगले कुछ दिनों के भीतर उसे 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा। पाकिस्तान को इस महीने चीन से कुल दो अरब डॉलर का कर्ज मिलने की उम्मीद है। अब तक पाकिस्तान को चीन की तरफ से 1.2 अरब डॉलर की कमर्शियल मदद मिली है। इस मदद के बाद पाकिस्तान को चीन की कुल मदद 1.7 अरब डॉलर हो जाएगी। पाकिस्तान वित्त विभाग के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को कहा कि हमें चीन के एक कॉमर्शियल बैंक से 50 करोड़ डॉलर का कर्ज कुछ दिनों में मिलने वाला है। पाकिस्तान ने चीन से यह भी अनुरोध किया है कि वो इस महीने उसे दो अरब डॉलर के सेफ डिपॉजिट पर रोलओवर प्रदान करे।

डिफॉल्ट के कगार पर खड़ा पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से बेलआउट पैकेज की पहली किस्त पर समझौता नहीं कर पा रहा है। दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत और पाकिस्तान द्वारा आईएमएफ की कड़ी शर्तों को मानने के बावजूद भी बात स्टाफ लेवल एग्रीमेंट पर आकर रुकी है।

आईएमएफ पाकिस्तान में चल रही राजनीतिक अस्थिरता को भी ध्यान में रख रहा है। पाकिस्तान में फिलहाल शहबाज शरीफ सरकार और विपक्षी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच जोरदार राजनीतिक लड़ाई चल रही है। हाल ही में भ्रष्टाचार के एक मामले में इमरान को गिरफ्तार करने आई पुलिस और उनके समर्थकों के बीच जबरदस्त हिंसक झड़प देखने को मिली, जिससे पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान की छवि को झटका लगा है। पाकिस्तानी अधिकारी अपने मित्र देशों और अन्य कर्जदाताओं से मदद की सौ फीसदी गारंटी मांग रहे हैं। आईएमएफ ने पाकिस्तान से अलिखित तौर पर मांग की है कि वो कॉमर्शियल लोन के रिफाइनेंस के साथ-साथ आईएमएफ प्रोग्राम में शामिल होने के दौरान चीन से जमा राशि पर रोलओवर सुरक्षित करे, जिसकी अवधि इस साल जून 2023 में समाप्त होने वाली है

शी और पुतिन के बीच क्या पक रही है खिचड़ी? 3 दिन के दौरे पर अगले हफ्ते रूस जाएंगे जिनपिंग

मास्को (एजेंसी) रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध के एक साल पूरे हो गए हैं। बीते वर्ष 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर भीषण हमला शुरू किया था वहीं अमेरिका इन दिनों रूस के साथ ही चीन पर भी हमलावर है। अब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपने समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए रूस की यात्रा करने वाले हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20 मार्च से 22 मार्च तक रूस की यात्रा करने वाले हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को घोषणा की। पिछले साल फरवरी के अंत में यूक्रेन पर हमले के बाद शी की यह पहली रूस यात्रा है। दोनों नेता आखिरी बार सितंबर में उज्बेकिस्तान के समरकंद में मिले थे।

मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अनुरोध पर थी। इसमें यह नहीं बताया गया कि पुतिन शी के साथ मुलाकात करेंगे या नहीं। क्रेमलिन ने शुक्रवार को कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 20-22 मार्च तक रूस की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। क्रेमलिन ने कहा कि वार्ता के दौरान वे रूस और चीन के बीच व्यापक साझेदारी संबंधों और सामरिक सहयोग के आगे के विकास के सामयिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसमें कहा गया है, 'कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

पाकिस्तान हमेशा देता रहेगा कश्मीरियों के आजादी के लिए राजनीतिक व नैतिक समर्थन

- ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन के सम्मेलन में विदेश मंत्री ने उगली आग

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो का कश्मीर प्रेम कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बिलावल ने एक बार फिर से कश्मीर पर बयान दिया है। इस बार उन्होंने ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक को-ऑपरेशन का मंच चुना है। बिलावल ने इस मंच से कहा है कि पाकिस्तान हमेशा कश्मीरियों के आजादी के लिए होने वाले संघर्ष को राजनयिक, राजनीतिक और नैतिक समर्थन देता रहेगा। बिलावल ने कुछ ही दिनों पहले यह बात स्वीकार की थी कि पाकिस्तान कश्मीर मसले को यूनाइटेड नेशंस में मजबूती से उठाने में असफल रहा है। ओआईसी में बिलावल ने एक बार फिर से कश्मीर के लिए सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का भी जिक्र किया है। बिलावल भुट्टो ने ओआईसी के विदेश मंत्रियों की मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। इस बार विदेश मंत्रियों का सम्मेलन पश्चिमी अफ्रीका के मॉरीतानिया देश में आयोजित हुआ। बिलावल ने कहा कि कश्मीर और पाकिस्तान भूगोल, आस्था, संस्कृति से बंधे हुए थे। पाकिस्तान हमेशा कश्मीरियों की तरफ से होने वाले आजादी के संघर्ष को राजनीतिक, राजनयिक और नैतिक समर्थन देता रहेगा। बिलावल का कहना था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तरफ से जम्मू-कश्मीर पर एक प्रस्ताव लाया जा चुका है। इसके तहत यहां पर एक जनमत संग्रह का अधिकार लोगों को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत इस प्रस्ताव को लागू करने में असफल रहा है। बिलावल की मानें तो भारत कश?मीर पर धोखाधड़ी और सेना के दम पर कब्जा बरकरार रखे है। पांच अगस्त 2019 को भारत ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म कर दिया था। बिलावल की मानें तो यह साफ है कि भारत का औपनिवेशिक विस्तार का जो मंसूबा था, वह असफल हो गया था। बिलावल ने कहा कि भारत अपनी मंशा में कभी सफल नहीं हो पाएगा। वह कभी भी कश्मीरियों की आजादी की आवाज और उनके आत्म निर्णय को दबा नहीं सकता है। बिलावल ने ओआईसी के कॉन्टैक्ट ग्रुप से अपील की है कि जब संगठन दोबारा मिले तो उसे एक प्रभावशाली योजना बनानी होगी, ताकि कश्मीर के मसले को आगे बढ़ाया जा सके। बिलावल यहीं नहीं रुके, उनका कहना था कि बिना इस मसले के हल हुए पाकिस्तान और भारत के बीच शांति संभव नहीं है।

12 साल बाद जापान और द.कोरिया संबंध सुधारने की राह पर

-दोनों देशों को चीन और उ.कोरिया का डर

टोक्यो (एजेंसी)। 12 साल बाद जापान और द.कोरिया अपने संबंधों को सुधारने के रास्ते पर आगे बढ़ गए हैं। माना जा रहा है कि दोनों देशों को चीन और उ.कोरिया का डर सता रहा है, इसकारण अपनी मजबूती को बढ़ाने के लिए पक्की दोस्ती का वादा कर रहे हैं। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओ ने शिखर सम्मेलन में मुलाकात की। दोनों ने अपने बिगड़े हुए संबंधों को फिर से जगाने का वादा किया।

द.कोरिया के राष्ट्रपति दो दिवसीय दौरा पर थे, इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग जैसे कुछ अहम एजेंडे पर बातचीत होनी थी। माना जा रहा

है कि अमेरिकी दबाव में द.कोरिया अपने 12 साल से बिगड़े रिश्तों को जापान के साथ सही करना चाहता है। उत्तर कोरिया की ओर से बार-बार बैलिस्टिक मिसाइल दागने के वजह से यून ने जापान के साथ सैन्य खुफिया-साझाकरण समझौते को पूरी तरह से सामान्य बनाने के लिए अपना समर्थन भी घोषित किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यात्रा से कुछ ही घंटे पहले उत्तर कोरिया ने अपनी चौथी बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी. संयुक्त बयान में किशिदा ने कहा कि उ.कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों के जवाब में जापान और दक्षिण कोरिया ने द्विपक्षीय सुरक्षा वार्ता फिर से शुरू करने का फैसला किया है। यून ने कहा, मेरा मानना है कि दोनों देशों को उत्तर कोरिया के परमाणु मिसाइल ट्रायल के लिए जवाब देने में सक्षम होना चाहिए।

यूक्रेन को पोलैंड देगा सोवियत निर्मित 4 मिग-29 लड़ाकू विमान

-यूक्रेन को लड़ाकू विमान देने वाला पहला नाटो देश होगा पोलैंड

वॉरसॉ (एजेंसी)। पोलैंड ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह रूस के आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन को मिग-29 लड़ाकू विमान देने की योजना बना रहा है। इसी के साथ वह रूस से निपटने के लिए तत्काल लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने की यूक्रेन की मांग को पूरा करने वाला पहला नाटो (उत्तर एटलांटिक संधि संगठन) देश बन जाएगा। पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने कहा कि वॉरसॉ अगले कुछ दिनों में यूक्रेन को सोवियत-निर्मित चार मिग-29 लड़ाकू विमान देगा। उन्होंने कहा कि अन्य लड़ाकू विमानों को मरम्मत की जरूरत है, लिहाजा इनकी आपूर्ति बाद में की जाएगी। डूडा ने संकेत दिए कि पोलैंड यूक्रेन को 11 से 19 मिग-29 लड़ाकू विमान उपलब्ध करा सकता है।

राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा ने कहा कि ये विमान अपनी परिचालन अवधि के अंतिम वर्षों में हैं, लेकिन इनकी हालत अच्छी है। पोलैंड के राष्ट्रपति ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की कि क्या अन्य नाटो देश भी वॉरसॉ के नक्शेकदम पर चलते हुए यूक्रेन को लड़ाकू विमान उपलब्ध कराएंगे। हालांकि, स्लोवाकिया भी यूक्रेन को अपने अप्रयुक्त मिग लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने की मंशा जाहिर कर चुका है। पोलैंड सरकार के प्रवक्ता पियोत्र म्यूलर ने बुधवार को कहा था कि कई अन्य देशों ने भी यूक्रेन को मिग लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने की प्रतिबद्धता जाहिर की है, लेकिन उन्होंने इन देशों के नाम का खुलासा नहीं किया। इससे पहले, पोलैंड यूक्रेन को जर्मनी-निर्मित लेपर्ड-2 टैंक उपलब्ध कराने वाला पहला नाटो देश बना था। डूडा की घोषणा से पोलैंड का पड़ोसी नाटो सदस्य जर्मनी अचंभित नजर आया।

अमेरिका ने पोलैंड के कदम को एक संप्रभु फैसला करार दिया

जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने पत्रकारों से कहा कि अब तक हर कोई इस बात से सहमत था कि यह लड़ाकू विमान भेजने का उपयुक्त समय नहीं आया है। पोलैंड ने हमसे अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह ऐसा करने की योजना बना रहा है। इस बीच व्हाइट हाउस ने पोलैंड के कदम को एक संप्रभु फैसला करार दिया और लगातार अपने कद से बड़ा निर्णय लेते रहने के लिए उसकी सराहना की। हालांकि, उसने कहा कि इस प्रशंसा को यूक्रेन को अमेरिकी एफ-16ए लड़ाकू विमान उपलब्ध न कराने के अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के रुख में किसी बदलाव के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

विश्व नेताओं को नेतन्याहू से मिलने से मना कर देना चाहिए: एहुद ओलमर्ट

तेल अवीब (एजेंसी)। इज़राइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओलमर्ट ने बृहस्पतिवार को विश्व नेताओं से देश के वर्तमान प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अलग-थलग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू इज़राइल की न्याय प्रणाली को खत्म करने की योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इज़राइल के करीबी सहयोगी अमेरिका और जर्मनी ने भी नेतन्याहू से संयम बरतने की अपील की है। संयम बरतने और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का यह दुर्लभ आह्वान ऐसे समय में किया गया है, जब इज़राइल में नेतन्याहू की योजना के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यायिक प्रणाली में बदलाव के लिए नेतन्याहू

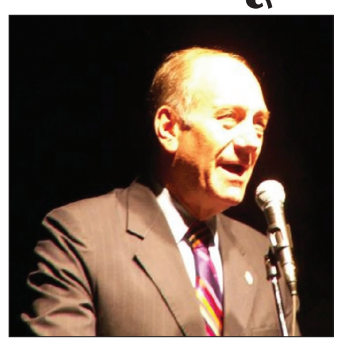

द्वारा पेश प्रस्ताव के अमल में आने से इज़राइली संसद को उच्चतम न्यायालय के फैसलों को पलटने और न्यायधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार मिल जाएगा।

इज़राइल के प्रधानमंत्री रहे ओलमर्ट ने मीडिया से कहा कि विश्व नेताओं को नेतन्याहू से मिलने से मना कर देना चाहिए। उन्होंने खासकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से अपील की, जिनके आने वाले हफ्तों में नेतन्याहू की मेजबानी करने की उम्मीद है। ओलमर्ट ने कहा कि मैं इज़राइल के मित्र देशों के नेताओं से नेतन्याहू के साथ बैठक न करने का आग्रह करता हूं।

विपक्ष के नेता येर लापिद ने कहा कि वह राष्ट्रपति के प्रस्ताव का स्वागत करते हैं। राष्ट्रपति आइजैक हरजोग ने टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में नेतन्याहू को समझौते की पेशकश की थी। हरजोग ने कहा था कि उन्होंने समाज के विभिन्न तबकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया था, जिसमें यह निष्कर्ष निकला कि इज़राइल के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए एक समझौते पर सहमति बनना जरूरी है। इस बीच बर्लिन में नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने योजना के बारे में चिंता व्यक्त की और व्यापक स्तर पर बुनियादी सहमति हासिल करने के लिए इज़राइल के राष्ट्रपति के प्रयासों की सराहना की। नेतन्याहू की मौजूदगी में स्कोल्ज़ ने कहा कि इज़राइल एक करीबी दोस्त है, जिसके साथ हम लोकतांत्रिक मूल्य साझा करते हैं। हम इस बहस पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और मैं इस तथ्य को नहीं छिपा सकता कि हम बड़ी चिंता के साथ इस पर नजर रखे हैं।

वहीं व्हाइट हाउस ने भी हरज़ोग के प्रयासों की सराहना की। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि हमारे लोकतंत्र की महानता और स्पष्ट रूप से इजराइल के लोकतंत्र की महानता मजबूत संस्थानों पर आधारित है, जिसमें नियंत्रण और संतुलन शामिल है, जो एक स्वतंत्र न्यायपालिका को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि हरजोग के प्रयास इन्हीं समान लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप हैं।

महबूबा के नवग्रह मंदिर में पूजा पर मुस्लिम धर्मगुरु नाराज

सहारनपुर । दारुल उलूम देवबंद के मौलवियों ने पीडीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पुंछ जिले के नवग्रह मंदिर में पूजा पर नाराजगी जाहिर की है। मौलवियों ने कहा कि दूसरे धर्म की परंपरा उनके विश्वास के खिलाफ है। मदरसा जामिया शेख-उल हिंद के कुलपति मौलाना मुफ्ती असद कासमी ने कहा, मुसलमानों को केवल अपने धर्म का पालन करना चाहिए। शरिया के अनुसार अन्य धर्मों की परंपराओं को अपनाने की अनुमति नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह कोई फतवा नहीं है, बल्कि उनका निजी विचार है। उन्होंने कहा, अगर कोई (मुस्लिम) अन्य धार्मिक प्रथाओं को चुनता है, तब यह उचित नहीं है। देश स्वतंत्र है, और हर कोई जानता है कि सही और गलत क्या है। जमीयत दावत-उल मुस्लिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इशाक गोरा ने कहा, धर्म के नियमों का पालन किया जाना चाहिए।

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रग्स की खेप पकड़ी

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी गई। शक होने पर एक महिला को किनारे किया गया। इसके बाद लगेज की तलाशी में चूड़ियों के बॉक्स और लेडीज पर्स से 2.39 किलो ड्रग्स बरामद हुई। इसकी कीमत 4.78 करोड़ रुपये है। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की सर्विलांस और इंटेलिजेंस की टीम तैनात थी। उनकी नजर संदिग्धों पर रहती है। टीम की नजर एक महिला यात्री पर नजर पड़ी, जो टर्मिनल 3 के चेकिंग एरिया में मौजूद थी। उसकी गतिविधि को देखकर सीआईएसएफ की टीम को कुछ संदेहास्पद लगा। रोककर पूछताछ की तब उसकी पहचान भारत की रहने वाली सईदा आबिदा के रूप में हुई। पता चला कि वह दोहा के लिए कतर एयरवेज की फ्लाइट से जाने वाली थी। महिला का सामान जांचा गया, तब ड्रग्स बरामद हुई। रेंडम लगैज की चेकिंग के दौरान इस महिला के लगेज का नंबर आया। एक्स-रे मशीन में बाग के भीतर पाउडर जैसी कोई चीज दिखी। जांच में पता चला कि वह ड्रग एंफेटामाइन है। इसके 20 अलग-अलग पैकेट्स को लगेज के अंदर फैब्रिकेटेड करके, कैविटी बना करके रखा हुआ था। ड्रग्स को बड़ी ही सफाई से लेडीस पर्स और चूड़ियों के बॉक्स के अंदर छुपाकर रखा गया था। सारा पाउडर बरामद करने पर उसका कुल वजन 2 किलो 390 ग्राम निकला। इंटरनैशनल मार्केट में इतने ड्रग्स की कीमत 4.78 करोड़ है।

रक्षा क्षेत्र में 70 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा क्षेत्र में 70 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी देने को शुक्रवार को ''आत्मनिर्भरता को बढ़ावा'' देने की दिशा में उठाया गया एक कदम बताते हुए कहा कि यह भारतीय प्रतिभा में विश्वास की पुनः पुष्टि करता है। गौरतलब है कि भारत ने स्वदेश में विकसित 70 हजार 584 करोड़ रुपये के सैन्य साजो-सामान की खरीद को बृहस्पतिवार को मंजूरी दी थी, जिससे घरेलू रक्षा विनिर्माण को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। डीएसी ने सैन्य साजो-सामान की खरीद के लिए 70 हजार 584 करोड़ रुपये की 'एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी' (एओएन) को स्वीकृति दी थी, जिसके तहत सभी खरीद 'स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित' श्रेणी के तहत की जाएगी। राजनाथ के कार्यालय ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया था कि इतने बड़े पैमाने पर स्वदेशी खरीद न केवल भारतीय उद्योगों को 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रेरित करेगी, बल्कि विदेशी विक्रेताओं पर भारत की निर्भरता को भी काफी हद तक कम करेगी। राजनाथ के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा भारतीय प्रतिभा में हमारे विश्वास की पुष्टि है।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर मतुआ महामेला में आने की अपील की

प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में लोगों से मतुआ महामेला में शिरकत करने की अपील की। पश्चिम बंगाल के ठाकुरबाड़ी के श्रीधाम ठाकुरनगर में 19 से 25 मार्च तक मतुआ महामेला का आयोजन किया जाएगा। मोदी ने कहा कि मतुआ महामेला 2023 एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जो मतुआ समुदाय की जीवंत संस्कृति को प्रदर्शित करता है। मैं लोगों से बड़ी संख्या में मेले में आने का आग्रह करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव जाति दया और सेवा का मार्ग दिखाने के लिए श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी की हमेशा ऋणी रहेगी।

700 भारतीय विद्यार्थियों को ब्रिटेन से निष्कासन?

–2 साल पढ़ाई, लाखों रुपए फीस, 2 साल बाद वीजा निरस्त?

नई दिल्ली। कनाडा गए भारतीय विद्यार्थियों को 2 साल पहले कनाडा की सरकार ने वीजा दिया था। 2 साल बाद कनाडा सरकार को पता लगा की वीजा लेने के लिए जो दस्तावेज लगे थे। उसमें ब्रिटेन की संस्थाओं के फर्जी ऑफर लेटर थे। इसके कारण उनके वीजा निरस्त कर अब 700 छात्रों को भारत वापस जाने का नोटिस दिया गया है। विद्यार्थियों ने 2 साल कनाडा में अपनी पढ़ाई का डिप्लोमा कोर्स पूरा किया। उन्हें सरकार की ओर से वर्क परमिट भी मिल गया। कनाडा के स्थाई निवासी का दर्जा पाने के लिए जब उन्होंने आप्रवासन विभाग में आवेदन किया। उसके बाद दस्तावेजों की गड़बड़ी सामने आई। 2018-19 में पंजाब से 700 विद्यार्थी डिप्लोमा करने के लिए कनाडा पहुंचे थे। बृजेश मिश्रा नामक एक ठग ने ब्रिटेन की शिक्षण संस्थाओं के फर्जी दस्तावेज बनाकर इनका वीजा हासिल किया था। मिश्रा ने हर विद्यार्थी से 16-16 लाख रुपए लिए थे। कनाडा के प्रीमियर इंस्टिट्यूट हंबर कॉलेज की एडमिशन फीस इसमें शामिल थी। एयर टिकट और सिक्योरिटी डिपॉजिट इत्यादि भी लिया था। इनका वहां पर प्रवेश हुआ और डिप्लोमा भी किया। 2 साल बाद अब 700 छात्र वापिस भारत भेजे जा रहे हैं। इस पूरे मामले में भारत सरकार और भारतीय दूतावास की चुप्पी 700 छात्रों के भविष्य को लेकर निराश कर रही है। 2 साल पहले इस बात का खुलासा हो जाता, कि दस्तावेज फर्जी थे। तो इन बच्चों का 2 साल बर्बाद नहीं होता। फर्जीवाड़े का खुलासा भी उसी समय हो जाता। इस सारी गड़बड़ी में कनाडा सरकार के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने समय रहते सही तरीके से छानबीन की होती, तो छात्रों को इतनी परेशानी नहीं होती।

संसद टीवी पर लोक सभा के लाइव प्रसारण के दौरान आडियों हुआ गुल

नई दिल्ली । लंदन में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए बयान को लेकर उनकी माफी और कारोबारी गौतम अडानी पर हुए खुलासे की जांच के लिए जेपीसी गठन की मांग को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के कारण शुक्रवार को भी दोनों सदनों में हंगामा जारी रहा। हंगामे के कारण शुक्रवार को लोक सभा और राज्य सभा दोनों सदनों की कार्यवाही को सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया लेकिन इस बीच लोकसभा के लाइव प्रसारण में एक अजीब सी घटना हुई। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के एक मिनट बाद ही संसद टीवी पर लोक सभा के लाइव प्रसारण की आवाज गायब हो गई यानी ऑडियो गुल हो गया। सुबह 11 बजे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के सदन में आने के साथ ही सभी सांसदों ने पहले उनका अभिवादन किया और उसके बाद दोनों ही पक्षों की तरफ से नारेबाजी शुरू हो गई। आसन पर बैठने के बाद लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू कर पहला प्रश्न पूछने के लिए कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी का नाम पुकारा। कांग्रेस सांसद तिवारी ने खड़े होकर सवाल पूछना शुरू ही किया था कि इस बीच नारेबाजी और तेज हो गई। इसके कुछ ही सेंकेंड बाद 11:01 पर संसद टीवी पर लोकसभा के सीधे प्रसारण का ऑडियो गुल हो गया। इसके बाद 18 मिनट तक लोकसभा में जारी हंगामे के दृश्य दिखाई दिए लेकिन सदन के अंदर जारी हंगामे और नारेबाजी की आवाज सीधा प्रसारण देखने वाले को सुनाई नहीं दे रहा था। ऑडियो गुल होने के 18 मिनट बाद 11:19 पर दो बार इसका ऑडियो वापस आया और दोनों बार कांग्रेस सांसदों के नारेबाजी की आवाज सुनाई दी जिसमें वे अडानी मामले पर और राहुल गांधी को बोलने देने की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। कुछ ही सेंकेड बाद ऑडियो फिर गायब हुआ और जब 11:20 पर इसका ऑडियो वापस आया, तब उस समय अध्यक्ष बिरला सांसदों से सदन चलने देने का आग्रह करते हुए यह कहते सुनाई दिए कि सांसदों को सदन में नारेबाजी करने के लिए नहीं बल्कि सदन को चलने देने के लिए भेजा गया है।

रामचरितमानस पर मेरे बयान का संघ प्रमुख भागवत ने समर्थन किया तो विरोध का कोई मतलब नहीं: प्रो. चंद्रशेखर

–जेडीयू ने दी चंद्रशेखर को नसीहत, आरआरएस में हो जाइए शामिल

पटना (एजेंसी)। बिहार में रामचरितमानस पर खूब सियासत हो रही है और इसके मुख्य केंद्र बिंदु बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर बने हुए हैं। शिक्षा मंत्री ने हाल ही में सदन के अंदर रामचरितमानस के बहाने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि मेरे बयान का जब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने समर्थन किया है तो जो विरोध कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं है। साफ है कि चन्द्रशेखर के रामचरितमानस को लेकर दिए बयान और सदन में रामचरितमानस ग्रंथ लाने पर बीजेपी के साथ-साथ जदयू के कुछ विधायकों ने भी निशाना साधा है। जदयू के कुछ विधायकों ने न सिर्फ हमला बोला, बल्कि शिक्षा मंत्री को एक बड़ी नसीहत भी दे दी जिसके बाद बिहार की सियासत फिर से तेज हो गई है।

दरअसल वर्तमान में बिहार विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है और इस बजट सत्र में सबसे ज़्यादा अगर कोई चर्चा में है तो वो है बिहार के शिक्षा मंत्री चन्द्रशेखर। हाल ही में वह सदन में रामचरितमानस की कॉपी लेकर पहुंचे थे और संघ प्रमुख मोहन भागवत का जिक्र भी किया था, जिसके बाद बीजेपी के साथ-साथ जदयू ने भी उन पर निशाना साधा है और उन्हें आरएसएस में शामिल होने की नसीहत भी दे दी है। जदयू विधायक डॉ. संजीव ने शिक्षा मंत्री पर हमला बोलते हुए कहा है कि अब तो उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भी खराब लगता है। उन्हें अब शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देकर आरएसएस में शामिल हो जाना चाहिए, क्योंकि उन पर संघ प्रमुख मोहन भागवत का असर कुछ ज्यादा ही दिख रहा है। इसलिए वह बार-बार संघ प्रमुख के नाम का हवाला देकर अपनी बात को सच साबित करने पर तुले हुए हैं तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है कि वह संघ में ही शामिल हो जाएं।

वहीं जदयू के ही एक और विधायक नीरज कुमार ने कहा कि गांधी, अंबेडकर, जेपी, लोहिया की राह पर चलने की बात कहने वाले लोग अब आरएसएस की विचारधारा की बात कहने लगे हैं और मोहन भागवत की बात कहकर उनके समर्थन का हवाला दे रहे हैं, ये तो अजीब विडंबना है। अगर चलना ही है तो बाबा साहब के बनाए संविधान की राह पर चलें, लेकिन चल रहे हैं आरएसएस प्रमुख की राह पर। कहीं ऐसा तो नहीं, कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना।जाहिर है रामचरितमानस को लेकर बीजेपी और और जदयू के सुर एक नजर आ रहे हैं और निशाने पर शिक्षा मंत्री आ गए है, लेकिन शिक्षा मंत्री भी झुकने को तैयार नहीं हैं और अपने ऊपर हमला बोलने वाले नेताओं पर पलटवार करते हुए कहते हैं कि जो मुझ पर हमला बोल रहे हैं वो संघ प्रमुख मोहन भागवत से बात कर लें कि मैं सही बोल रहा हूं या गलत। बहरहाल सियासत गर्म है और हर उस मुद्दे पर सियासत तेज होने वाली है, जो वोटर को पोलराईज कर सके और इस काम में सत्ताधारी दल हो या विरोधी दल अपने अपने एजेंडे पर चल रहे हैं, लेकिन रामचरितमानस के मुद्दे पर फ़िलहाल जदयू और बीजेपी के सुर एक दिख रहे हैं, जो थोड़ा हैरान कर रहा है।

खुद को पीएमओ का अफसर बता ली जेड प्लस सुरक्षा

–महीनों तक कश्मीर में हैल्थ रिसॉर्ट्स के दौरे किए

श्रीनगर (एजेंसी)। गुजरात का एक ठग खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बताकर कश्मीर में हैल्थ रिसॉर्ट्स के दौरे किए और इतना ही नहीं उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा भी दी गई। बता दें कि इस बहरूपिए का नाम किरण भाई पटेल है जो इस साल की शुरुआत में श्रीनगर के अपने दो दौरों के दौरान अधिकारियों के साथ कई बैठकें भी की। पटेल ने खुद को पीएमओ का एडिशनल डायरेक्टर बताया जिसके बाद करीब 10 दिन पहले गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार को मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद यह मामला सामने आया। इस ठग ने घाटी में अपनी पहली यात्रा फरवरी में की थी इस दौरान उसने अर्धसैनिक बल और पुलिस की सुरक्षा के साथ उसके विभिन्न स्थानों की यात्राए की। इतना ही नहीं यह बहरूपिया सामने आए वीडियो में पैरामिलिट्री गार्डों के साथ बडगाम के दूधपथरी में बर्फ के बीच से गुजरता हुआ नजर आ रहा है और तो और श्रीनगर में क्लॉक टॉवर लाल चौक के सामने फोटो भी खिंचवाई। सूत्रों का कहना है कि पटेल ने गुजरात से अधिक पर्यटकों को लाने के तरीकों और दूधपथरी को एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने के बारे में चर्चा करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठकें भी की थीं। सूत्रों ने कहा कि एक आईएएस अधिकारी, जो कि जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं, उन्होंने पिछले महीने एक वरिष्ठ पीएमओ अधिकारी की यात्रा के बारे में पुलिस को सूचित किया। जिसके बाद खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को पीएमओ के एक अधिकारी के रूप में इस ठग के बारे में सतर्क किया और जिसके बाद उसे श्रीनगर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया।

'राष्ट्र-विरोधी टूलकिट' का एक स्थायी हिस्सा बन गए हैं राहुल गांधी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को ब्रिटेन में अपनी टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर तीखा हमला किया और कहा कि वह 'राष्ट्र-विरोधी टूलकिट' का एक स्थायी हिस्सा बन गए हैं। नड्डा ने मीडिया को बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त है। लोगों द्वारा बार-बार ठुकराए जाने के बाद राहुल गांधी भारत के खिलाफ काम करने वाले 'टूलकिट' का स्थाई हिस्सा बन गए हैं। नड्डा ने 'भारत के आंतरिक मामलों में दूसरे देश के हस्तक्षेप की मांग करने' पर राहुल गांधी से उनकी मंशा के बारे में सवाल किया। उन्होंने सवाल किया की राहुल गांधी, जब आप भारत के आंतरिक मामलों में किसी दूसरे देश के हस्तक्षेप की मांग करते हैं, तो आपका क्या इरादा है? उन्होंने आगे कहा कि एक ओर आज भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहा है और वहीं जी-20 की बैठकें हो रही हैं, राहुल गांधी विदेशी धरती पर देश और संसद का अपमान कर रहे हैं। मैं राहुल गांधी से जानना चाहता हूं इसके पीछे उनका क्या इरादा है?

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। आजादी के बाद से भारत के इतिहास में यहां तक कि सबसे कठिन समय में भी भारत के किसी भी नेता ने कभी भी विदेशी शक्तियों से भारत सरकार के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील नहीं की। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। वहीं गुरुवार को लगातार चौथे दिन भी संसद में गतिरोध जारी रहा और सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दल अपने-अपने रुख पर कायम रहे। भाजपा ने ब्रिटेन में अपनी टिप्पणी पर राहुल गांधी से माफी की मांग की, जबकि विपक्षी सदस्यों ने अदानी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडेनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने का दबाव बनाया।

कर्नाटक में कांग्रेस पर जमकर बरसे हिमंत बिस्वा सरमा, मदरसों पर कार्रवाई को लेकर कही यह बात

बेंगलुरु (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कांग्रेस पर जमकर हमलावर रहते हैं। एक बार फिर से उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा है। कांग्रेस और कम्युनिस्टों ने दिखाया कि भारत का इतिहास बाबर, औरंगज़ेब और शाजहाँ के बारे में था। मैं बताना चाहता हूं कि भारत का इतिहास उनके बारे में नहीं था, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोबिंद सिंह के बारे में था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले, राज्य में राजनीतिक पारा चढ़ता जा रहा है और कांग्रेस और भाजपा नेता मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में हिमंत बिस्वा सरमा कर्नाटक के दौरे पर गए थे। बेलगावी में हिमंत ने कांग्रेस पर हमला किया और लोगों से छत्रपति शिवाजी महाराज और स्वामी विवेकानंद के सपने के अनुसार नए भारत के निर्माण में पीएम नरेंद्र मोदी की मदद करने का आग्रह किया।

सरमा ने कहा कि कभी दिल्ली के शासक मंदिरों को तोड़ने की बात करते थे, लेकिन आज पीएम मोदी के शासन में, मैं मंदिरों के निर्माण की बात कर रहा हूं। यह नया भारत है। कांग्रेस इसे कमजोर करने का काम कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस आज नए मुगलों का प्रतिनिधित्व कर रही है। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह औरंगजेब के शासन के दौरान ''सनातन' संस्कृति को समाप्त करने का प्रयास किया गया।' भाजपा नेता ने कहा कि कई लोगों को जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया गया था। उस समय छत्रपति शिवाजी महाराज ने जन्म लिया और उन्होंने दिखाया कि भारत माता उनके जैसे बेटे को जन्म दे सकती है जो औरंगजेब को चुनौती दे सकता है।

40 मिलियन भारतीय अब डिजिटल रूप से साक्षर : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को हिंदुत्व पर बात की और कहा कि 1970 के दशक में विकास की हिंदू दर नामक एक अद्वितीय आर्थिक कलंक लगाया गया था, जिसने सुझाव दिया कि हिंदू जीवन शैली स्थिर, संतुष्ट और सुधार से बहुत दूर थी। नई दिल्ली में एक कॉन्क्लेव में महिला और बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री ने भी अपने जीवन के तरीके सर्वधर्म समभाव के बारे में बात की, जिसका अर्थ है कि सभी धर्म और समुदाय समृद्ध हो सकते हैं। स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी जीवन शैली देश को एक प्रधान सेवक देती है, जो सभी भारतीयों को समान देखता है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सभी की खुशी में विश्वास करते हैं, यही वजह है कि उन्होंने पहल की।

स्मृति ईरानी ने कहा कि मेरा जीवन जीने का तरीका देश को एक प्रधान सेवक देता है, जिसने देश के लिए लगन से काम किया और सुनिश्चित किया कि कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया को अधिकतम चिकित्सा सहायता मिले। स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को डिजिटल भुगतान से परिचित कराया, जिसने अब 40 मिलियन भारतीयों को डिजिटल रूप से साक्षर बना दिया है। केंद्रीय मंत्री ने देश के कल्याण के लिए पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई अनगिनत अन्य योजनाओं पर भी बात की और कहा कि उन्होंने भारत के लोगों की दैनिक चुनौतियों का समाधान किया है।

नई दिल्ली में एक कॉन्क्लेव में महिला और बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने न्यू इंडिया पर बात की और कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों भारतीयों को बड़े पैमाने पर चिकित्सा लाभ मिला है। देश में लगभग 17 करोड़ महिलाओं ने आगे बढ़कर स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों का उपयोग किया, जिसका अर्थ है कि महिलाएं चुनौतियों से अवगत थीं और समाधान की प्रतीक्षा कर रही थीं। स्मृति ईरानी ने कहा कि यह नया भारत है जिस पर मुझे गर्व है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आयुष्मान भारत योजना की बात करते हैं, तो वह अल्पसंख्यकों सहित समाज के सभी वर्गों को कवर करते हैं। यह पूछे जाने पर कि वह उन लोगों के बारे में क्या महसूस करती हैं जो नए भारत के बारे में खतरा महसूस करते हैं, जो अपनी आस्तीन पर हिंदुत्व भी पहनता है, स्मृति ईरानी ने कहा कि मुझे स्वीकार्य होने के लिए मुझे अपनी धार्मिक पहचान को कम करने की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करना मेरे लिए है कि कानून के तहत सभी के साथ समान व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी को यह पहचानने की जरूरत है कि अल्पसंख्यक शब्द मुख्य रूप से धर्म से संबंधित नहीं है।

दिल्ली में मास्क पहनना होगा अनिवार्य? इन्फ्लूएंजा के खतरे के बीच स्वास्थ्य मंत्री ने दी बड़ी जानकारी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोग कोरोना महामारी की भयावहता से उबर ही रहे थे कि इन्फ्लूएंजा ने डराना शुरू कर दिया है। देश के कई राज्यों में इसका खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में भी इसने लोगों की चिंता बढ़ा रखी है। इन सब के बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इसको लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में ज्यादा मामले नहीं हैं लेकिन हम सतर्क हैं और स्थिति पर गहरी नजर बनाए हुए हैं। इसके साथ दि दिल्ली के नए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने अधिकारियों को राष्ट्रीय राजधानी में 'इन्फ्लूएंजा' वायरस के मामलों का पता लगाने के लिए शीघ्र जांच करने का निर्देश दिया है।

भारद्वाज से संवाददाताओं ने सवाल पूछे थेय् सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 'इन्फ्लुएंजा' वायरस के मामले मार्च के अंत तक आमतौर पर कम हो जाते हैं लेकिन, इस बार देश के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में इसके मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही आप नेता ने कहा कि जिन लोगों को गंभीर अस्थमा या कोविड-19 है, वे सबसे अधिक इन्फ्लुएंजा की चपेट में आए। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 65 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत है।'' दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र ने छह राज्यों को कोविड परामर्श जारी किया है, उसमें दिल्ली शामिल नहीं है। हालांकि हम इन्फ्लुएंजा को फैलने से रोकने के लिए परामर्श जारी कर रहे हैं।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन्फ्लुएंजा के मामलों का पता लगाने के लिए अधिकारियों को जल्द जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली के अस्पतालों में ज्यादा मामले नहीं हैं लेकिन हम सतर्क हैं और स्थिति पर गहरी नजर बनाए हुए हैं। भारद्वाज ने यह भी कहा कि सरकार की मास्क पहनना अनिवार्य करने की कोई योजना नहीं है। सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचने, बार-बार हाथ धोने आदि जैसे एहतियाती कदम उठाने पर अभी ध्यान दिया जा रहा है।

भारतीय सेना कर रही है अपनी परिचालन दक्षता में वृद्धि: सेना प्रमुख मनोज पांडेय

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत पाकिस्ताव जैसे आतंकी मुल्क और धोखेबाजी में माहिर चीन जैसे शातिर पड़ोसियों से घिरा हुआ है। ऐसे में किसी भी नापाक हरकत का माकूल जवाब देने के लिए सेना को भी 24 घंटे सातों दिन अलर्ट मोड पर रहना पड़ता है। चीन-पाक से तनाव के बीच सेना प्रमुख मनोज पांडे ने दावा किया है कि भारतीय सेना की ऑपरेशनल तैयारी उच्च स्तर पर है। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल एक परिवर्तनकारी चरण में है। भारतीय सेना अपनी परिचालन दक्षता में वृद्धि कर रही है। साथ ही पाकिस्तान और चीन से खतरे के प्रति जागरूक, उच्च स्तर की परिचालन तत्परता को भी कायम रखा हुआ है।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय सेना विशिष्ट प्रौद्योगिकी की क्षमता के साथ ही आधुनिकीकरण के लिए कई उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का रोल आउट युद्ध में गेम चेंजर हो सकता है। जनरल पांडेय ने कहा कि परिवर्तन, जिस तरह से हम इसे देखते हैं, वह हमें एक अधिक आधुनिक, अधिक चुस्त और अधिक युद्ध के लिए तैयार बल बनने में सक्षम बनाता है, ताकि हम भविष्य की सभी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए तैयार हो सकें। सेना प्रमुख ने कहा कि विशेष रूप से रक्षा निर्माण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता या आत्मनिर्भरता के लिए सरकार का जोर एक सकारात्मक कदम है। सीओएएस मनोज पांडे ने कहा कि

जब तक देश आत्मनिर्भर नहीं होंगे और उनके पास सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला नहीं होगी, उनके लिए सुरक्षा चिंताओं को दूर करना और भविष्य में आगे बढ़ना बहुत मुश्किल होगा।

योगी के एक्शन के आगे सब फेल, पिछले 6 साल में हुए 10 हजार से ज्यादा एनकाउंटर, टॉप पर रहा मेरठ

– मेरठ में सबसे ज्यादा मारे गए, 13 पुलिस अफसर भी शहीद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने यूपी चुनाव 2022 में लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर वापसी करने में सफल रही। इसे एक बड़ी घटना और राजनीतिक बदलाव के तौर पर देखा गया। अमूमन सरकारों को पलट देने के लिए चर्चित रहे यूपी के मतदाताओं को आखिर कौन-सी बात योगी सरकार में पसंद आई? इसको लेकर दावे तो कई हैं, लेकिन एक बड़ा मुद्दा सुरक्षा और कानून व्यवस्था का है। योगी सरकार के बुलडोजर मॉडल की तारीफ खूब हुई है। यूपी चुनाव में बुलडोजर बाबा के रूप में विख्यात हुए सीएम योगी आदित्यनाथ को यूपी की जनता का समर्थन मिला और सरकार बनी। लेकिन प्रयागराज में उमेश पाल की सरेआम हत्या ने योगी सरकार की इसी उपलब्धि पर सवाल खड़ा किया है। ऐसे में योगी सरकार की पिछले 6 सालों की सरकार में अपराधियों पर हुई कार्रवाई का एक आंकड़ा सामने आया है। चर्चा इस पर भी शुरू हो गई है। मार्च 2017 में सत्ता संभालने के बाद योगी सरकार ने कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार के लिए कड़े एक्शन का फरमान जारी किया। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इन छह सालों में 10,814 एनकाउंटर किए। इसमें 179 अपराधियों को मार गिराया है। योगी सरकार के पिछले 6 सालों में उत्तर प्रदेश में अपराधियों के साथ 10 हजार से अधिक एनकाउंटर और 179 अपराधियों के एनकाउंटर में मौत के जरिए सरकार अपनी सख्त नीति को सामने ला रही है। एनकाउंटर में मारे गए अपराधी लिस्टेड थे। पुलिस की ओर से दावा किया जा रहा है कि उन्हें जवाबी कार्रवाई में मार गिराया गया। मारे गए अपराधियों में से अधिकतर की गिरफ्तारी पर 75 हजार रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक का नकद इनाम था। एनकाउंटर में मेरठ क्षेत्र में 63 अपराधी मारे गए हैं।

मेरठ जोन 2017 के बाद से सबसे अधिक 3,152 एनकाउंटर हुए हैं। यहां 1708 अपराधी घायल भी हुए। वहीं, वाराणसी 20 एनकाउंटर मौत के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद आगरा में 14 एनकाउंटर मौत हुई है। पिछले 6 सालों के दौरान 4947 अपराधी एनकाउंटर के दौरान घायल हुए हैं। एनकाउंटर में केवल अपराधियों को ही नुकसान नहीं हुआ है। पुलिसकर्मियों को भी इसका असर झेलना पड़ा है। यूपी पुलिस ने 20 मार्च 2017 से 6 मार्च 2023 के बीच हुई एनकाउंटरों में 23,069 बदमाशों को गिरफ्तार किया। इन एनकाउंटरों में 4911 अपराधी घायल हुए। इन झड़पों में 13 पुलिस अधिकारी भी मारे गए हैं। वहीं, 1424 पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं। कुल मिलाकर पुलिस ने इन एनकाउंटरों के जरिए 23,125 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यूपी पुलिस के एनकाउंटर में मारे गए अपराधियों में पांच लाख रुपए के नकद इनाम वाले दो अपराधी शामिल हैं। इनके अलावा ढाई लाख रुपए के इनामी चार, दो लाख रुपए के दो, डेढ़ लाख रुपए के छह और एक लाख रुपए नकद इनाम वाले 27 अपराधियों की एनकाउंटर में मौत हुई। इसके साथ ही कई अन्य पर 75 हजार रुपए का इनाम था, जिन्हें पुलिस की गोली का सामना करना पड़ा। योगी सरकार ने कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार को प्राथमिकता दी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में बदला मौसम का मिजाज,कई जिलों में बारिश, तीन दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ,उप्र में गुरूवार रात से ही मौसम ने करवट बदली है। जिसके चलते कई जिलों में जहां बारिश हुई तो वहीं कई जिलों में तेज और ठण्डी हवायें चल रही हैं। बादलों ने डेरा जमा रखा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 20 शहरों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जगहों पर तेज हवाएं भी चलने का अनुमान है।

गुरूवार शाम को भी प्रदेश में मौसम ने करवट ली थी। कानपुर समेत कई जिलों में रिमझिम बारिश हुई। इसके अलावा, कई जगहों पर ओले भी गिरे हैं। उन्नाव में गुरूवार शाम तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वहां फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में खेत चलनी शुरू हो गई। मौसम

में काम कर रहे युवक पर आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। लखनऊ में भी सात बजे सुबह बारिश हुई। करीब 30-40 मिनट तब बारिश के बाद ठंडी हवाएं विभाग ने प्रदेश के जिन 20 शहरों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। उनमें प्रयागराज, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, मुरादाबाद, बरेली, हमीरपुर और झांसी हैं। लखनऊ मौसम केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि मौसम में लगातार हो रहे बदलाव से तापमान से गिरावट भी आई है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। अगले तीन-चार दिनों यानी 20 मार्च तक मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में यह बदलाव हुआ है। मौसम विभाग ने बदलते मौसम को देखते हुए किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

किसानों को सिंचाई न करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दें। बुवाई, कीटनाशक दवा का छिड़काव भी न करें।

आंधी-बारिश से फसल गिरने की आशंका है। बारिश ज्यादा हुई तो सरसों की फसल को अधिक नुकसान हो सकता है।

रात को प्रेमिका से मिलने गये प्रेमी की पीटकर हत्या

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हरदोई, जिले में एक प्रेमी देर रात विवाहित प्रेमिका से मिलने उसके घर चला गया। प्रेमिका से मिलने के दौरान प्रेमिका के पति ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। उसके बाद प्रेमी की पिटाई कर दी। जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने दंपति को हिरासत में ले लिया है। सांडी थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव निवासी प्रतिपाल के घर जनपद फर्रुखाबाद के एक गांव निवासी पंकज पुत्र महेश देर रात में घुसा। वो प्रतिपाल की पत्नी प्रीति से मिलने गया था। तभी पति ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। जमकर लात घूसों से पीटा। जिसके बाद मामले की सूचना उसने ११२ पर पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर घायल पंकज को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने दोनों पति-पत्नी को अपनी कस्टडी में ले लिया है दोनों से पूछताछ की जा रही है।

बारात में नागिन डांस को लेकर दो पक्षों में लात घूसे चले, 5 चोटिल

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखीमपुर खीरी,लखीमपुर खीरी में एक बारात में नागिन डांस को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद जमकर लात घूसे चले, जिसमें 5 लोग चोटिल हो गए। इन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह मामला मितौली थाना क्षेत्र का है, जहां कस्बे में ही कल्लू नाम के व्यापारी के छोटे भाई फहनूर की शादी कस्बे में रहने वाले अलाउद्दीन की लड़की से तय हुई थी। रात को जब बारात लड़की के घर की तरफ रवाना हुई, उसी समय कुछ बारातियो ने बैंड वाले से नागिन गाने की धुन बजाने को कहा। इससे बारातियों में शामिल कुछ लोग नाराज हो गए।

फिर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। बातों बातों में कहासुनी मारपीट में बदल गई। इसमें ५ बाराती चोटिल हो गये और बारात में भगदड़ मच गई। सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मितौली में भर्ती कराया।

इसके बाद बारात में शामिल बुजुर्गों ने समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। उसके बाद निकाह पढ़ाया गया। लड़के के भाई कल्लू ने इस बात की सूचना पुलिस को दे दी। बारात में गाने को लेकर हुए विवाद में मारपीट का वीडियो वायरल भी हो गया है। वायरल वीडियो और तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

नवरात्र मेला की तैयारियों के दृष्टिगत मण्डलायुक्तने विभागीय अधिकारियों के साथ की प्रगति समीक्षा

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मिर्जापुर,आगमी 21/22 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होकर 30 मार्च 2023 चलने वाले चैत्र नवरात्र मेला तैयारियों के दृष्टिगत मण्डलायुक्त मुथुकुमार स्वामी बी० ने प्रशासनिक भवन विन्ध्याचल उप महानिरीक्षक आर०पी० सिंह के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वि०/रा० शिव प्रताप शुक्ल, नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। मण्डलायुक्तने मां विंध्यवासिनी देवी के धाम विन्ध्याचल में आगामी 21/22 मार्च 2023 के मध्य रात्र से प्रारम्भ होकर 30 मार्च 2023 तक चलने वाले चैत्र नवरात्र मेला की तैयारियों की समीक्षा किया। मण्डलायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि 18 मार्च 2023 तक सभी तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस विभाग को जो जिम्मेदारी दी गयी है उसे पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ समय पूर्ण करने के लिए कारगर कदम उठाये। उन्होंने कहा कि किसी विभाग के कार्यो में कमियां मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी कल से ही मेला क्षेत्र में भ्रमण कर ले और कार्य प्रारंभ कराए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता नगर पालिका को निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण कार्य तीनों मंदिर परिसर, गलियों, नालियों व घाटों की सफाई तथा प्रर्याप्त मात्रा में बैरीकेटिंग की व्यवस्था कराए। अधिशासी अभियंता को विद्युत मेला क्षेत्र में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के लिए उच्चाधिकारी को पत्राचार कराने के साथ ही पूरे मेला क्षेत्र के गलीवार विद्युत खंभों कराने का निर्देश दिया नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह ने तैयारियों की विस्तृत जानकारी दिया। आवारा पशुओं को पकड़वाने की व्यवस्था, विन्ध्यवासिनी मन्दिर पर विद्युत सजावट, प्राइवेट व सरकारी वाहर स्टैण्डो पर रेट लिस्ट लगवाना, खोया पाया केन्द्र की स्थापना, गंगा किनारे महिलाओं को वस्त्र बदलने की व्यवस्था, अस्थाई शौचायलों का निर्माण, ध्वनि विस्तारक यंत्र आदि की व्यवस्था नगर पालिका को कराने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि मेला क्षेत्र में सभी अधिकारी मुस्तैदी से कार्य करें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि परिक्रमा पथ में सीसी एवं पत्थर के कार्य कराए जाएं, मेला क्षेत्र में एवं त्रिकोण पथ में हाई मास्क मरम्मत पूरी की जाए पर्याप्त मात्रा में बिजली आपूर्ति की आवश्यकता रहेगी।

सदर बाजार में नाली निर्माण कार्य को जल्द ही पूरा कर लिया जाए गंगा घाटों पर जाने वाले मार्गो पर जिला प्रशासन की ओर से इंगित बोर्ड लगाया जाए अन्य कोई बोर्ड नहीं दिखना चाहिए जिससे यात्री भ्रमित होते हैं दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है वन विभाग को निर्देशित किए गए की बंदरों को पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाए जिलाधिकारी ने कहा कि मेला क्षेत्र में जिन पशु मालिकों की पशु है उसे बांधकर रखा जाए पकड़े जाने पर मालिक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, खाद्य सुरक्षा को निर्देशित किए गए की मेला क्षेत्र में समस्त दुकानों के लाइसेंस रेट सूची एवं डस्टबिन रखे जाएं जिसकी निगरानी एवं निरीक्षण कर कार्य पूरा कर लिया जाए। मां विंध्यवासिनी माता के चरण स्पर्श पूर्णता प्रतिबंधित रहेंगे पंडा समाज अध्यक्ष मंत्री एवं पुलिस प्रशासन निकास द्वार पर डयूटी पर तैनात भी रहेंगे जिससे जिला प्रशासन पंडा समाज में मतभेद ना हो चौत्र नवरात्र मेले के दौरान धार्मिक आयोजन की तैयारी भी चल रही है, स्वास्थ्य विभाग कैंप लगाएं एवं दवा की उपलब्धता बरकरार रखें।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि नवरात्र मेले के दौरान स्पेशल व्यवस्था किया जाए रास्ते में ईट बालू गिट्टी ना रहे जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी होगी जिन जिन स्थानों पर कार्य चल रहे हैं उस स्थान पर श्रद्धालु न पहुंचे इसके लिए डयूटी लगाई जाए, वाहन स्टैंड ओं पर अवैध वसूली ना हो। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी, सीएमओ पीडब्ल्यूडी प्राधिकरण स्टेशन अधीक्षक सहित कई अन्य विभाग के आला अधिकारी मौजूद रहे।

कार ने दादी-पोते और गाय को मारी टक्कर, तीनों की मौत

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बहराइच,जिले के बहराइच-गोंडा मार्ग पर गोंडा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार शुक्रवार को सड़क किनारे जा रहे दादी-पौत्र को रौंदते हुए गाय से जा टकराई। महिला और गाय की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मासूम पौत्र ने अस्पताल पहुंचते समय दम तोड़ दिया। कार सवार मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक गोंडा की ओर से शुक्रवार की सुबह आ रही तेज रफ्तार कार विशेश्वरगंज थाना अंतर्गत उधरना सरहदी गांव के निकट अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा रही यशोदा देवी और उनके छह वर्षीय पौत्र को रौंदते हुए बंधी गाय को टक्कर मारकर पेड़ से जा टकराई। कार की टक्कर से यशोदा देवी और गाय की मौके पर ही मौत हो गई। चीख पुकार सुनकर गांव के लोग दौड़े।

आनन फानन में घायल मासूम पौत्र को जिला अस्पताल भेजा गया लेकिन अस्पताल पहुंचते ही उसने भी दम तोड़ दिया। सूचना पाकर विशेश्वरगंज थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक कार में सवार चालक फरार हो गया।

यूपी के बिजलीकर्मियों की तीन दिवसीय हड़ताल जारी, रासुका की चेतावनी

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लखनऊ ,यूपी में बिजली कंपनियों में चेयरमैन व प्रबंध निदेशक के चयन तथा कुछ अन्य मुद्दों पर विद्युतकर्मियों की तीन दिनी हड़ताल रात 10 बजे शुरूहो गई। सरकार ने इस पर कड़ा रख अपनाते हुए काम पर न आने वाले संविदाकर्मियों को बर्खास्त करने और प्रदर्शन में तोड़फोड़ पर रासुका के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी है। बिजलीकर्मियों के एक अन्य धड़े ने इस हड़ताल के मद्देनजर अपने अभियंताओं को 2 घंटे अतिरिक्त काम करने को कहा है।

जानकारी के मुताबिक हड़ताल का आह्वान करने वाली विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि प्रदेश के करीब एक लाख बिजलीकर्मियों ने रात 10 बजे से 3 दिन की हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि आनपारा, ओबरा, पारिछा और हरदुआगंज विद्युत संयंत्रों में रात्रि पाली के सभी शत प्रतिशत कर्मचारी, जूनियर इंजीनियर, अभियन्ता हड़ताल पर चले गए हैं। ताप बिजली घरों में रात्रि पाली में शत प्रतिशत हड़ताल हो गई है। दुबे ने बताया कि प्रदेश में करीब 23 साल बाद बिजलीकर्मियों की पूर्ण हड़ताल हो रही है।

ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने समझौते के बिंदुओं को लागू करने के लिए 15 दिन का समय मांगा था मगर अब ३ महीने से ज्यादा वक्तगुजर चुका है मगर समझौते पर अमल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि सरकार ने समझौते में कहा था कि बिजली कम्पनियों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक का चयन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित एक समिति के जरिए ही किया जाएगा, लेकिन इस व्यवस्था को बंद करके अब इन पदों पर स्थानांतरण के आधार पर तैनाती की जा रही है।

इस बीच प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस में हड़ताल को लेकर सख्त रख अपनाया।

डिप्टी सीएम ने अनुसूचित जाति बस्ती का किया भ्रमण, किया भोजन

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बाराबंकी,उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एक दिवसीय दौरे पर आये जनपद बाराबंकी में ग्राम पवैयाबाद विकासखंड देवा में चौपाल व अनुसूचित जाति बस्ती का भ्रमण किया। उपमुख्यमंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवा, कस्तूरबा गांधी विद्यालय देवा एवं निर्माणाधीन भवन एवं पशु आश्रय स्थल निबलेट फार्म विकासखंड बंकी का निरीक्षण किया। जन चौपाल का शुभारम्भ गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी लेते हुए द्वीप प्रज्वलित कर किया। जन चौपाल के दौरान उपमुख्यमंत्री ने राज्य सरकार तथा केन्द्र सरकार द्वारा चलायी जा रही समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंच रहा है, इस बारे में ग्रामीण वासियों से जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। चौपाल के दौरान दिव्यांगजन पेंशन, निराश्रित पेंशन, उज्ज्वला योजना, शौचालय, मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, विधवा पेंशन, किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड,

आवास, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न प्रकार की योजनाओं से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिस पर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि तत्काल पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया जाये। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवा में कोल्ड चेन, जेई/एईएस वार्ड/डेंगू वार्ड, जेएसवाई वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, पंजीकरण कक्ष सहित अन्य वार्डो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ सफाई बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं दी जाए, जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस मौके पर प्रदेष के राज्यमंत्री सतीष चन्द्र षर्मा, जिलाध्यक्ष षंषाक कुषमेष, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, एमएलसी अंदग सिंह, जिलाधिकारी अविनाष कुमार, एसपी दिनेष कुमार सिंह, एडीएम राकेष कुमार, सीडीओ एकता सिंह के साथ में विभागीय अमला मौजूद रहा।

- गौशाला का किया निरीक्षण

उपमुख्यमंत्री वृजेश पाठक ने शुक्रवार को वृहद गौ संरक्षण केंद्र नेबलेट पहुचकर गौ पूजा की इसके बाद मवेशियों को दिया जाने वाला भूंसा चारा सूंघ कर उसकी क्वालिटी चेक किया और पौधरोपण के बाद कार्यक्रम स्थल से रवाना हो गये। 3 बजाकर 40 मिनट पर पहुचे उपमुख्यमंत्री 3 बजाकर 53वे मिनट पर वापस हो गए महज साढ़े 12 मिनट में फटाफट निरीक्षण कार्यक्रम निपटा दिया। पंचायत सेक्रेटरी के मुताबिक यंहा कुल 461 गाय 6 नर कुल 467 गौवंशीय पशुओ को रखा गया है। मोहिउद्दीनपुर पंचायत के नेबलेट फार्म स्थित वृहद गौ सरंक्षण केंद्र में अक्सर कोई बड़ा मंत्री अधिकारी आते रहते है। लेकिन यंहा की समस्याओ परकिसी का ध्यान नही जाता है। निरीक्षण औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दुबारा कोई अफसर इधर मुद कर नही देखता। गौशाला में तैनात चार केयर टेकर ने बताया कि हम लोगो के रहने का कोई कक्ष नही है। बाउंड्री न होने से जानवर भाग जाते है। चोर अंदर आकर समान चोरी कर ले जाते है।

पूरा परिसर ऊबड़ खाबड़ है जरा सा बारिश में भारी जलभराव हो जाता है। इससे मवेशियों को बैठने तक जगह नही मिलता है। बताया कि 30 रुपया प्रति मवेसी खर्चा मिलता है। जो अपर्याप्त है। सोनी ब्यूटी पार्लर सहायता समूह ने पौधरोपण के लिए शानदार रंगोली बनायी परिसर में पीपल जामुन बरगद के चार पेड़ डीएम एसपी ने लगाए। इस मौके पर जिले के आला अफसर मौजूद रहे।

51 हजार दीपों से जगमगाया धनोखर सरोवर

एजेंसी
क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बाराबंकी,शुक्रवार को शहर का धनोखर सरोवर नव संवत को शिरोधार्य करने की उत्सव स्थली बन गया।इक्यावन हजार दीपों एवम् एलईडी बल्बों से जगमगाते कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित स्थानीय साधु-संतों एवम् आम नागरिकों ने नव संवत्सर का स्वागत पूरी भव्यता से किया। सुगम बहार संगीत के कलाकारों द्वारा भजनों की शानदार श्रृंखला प्रस्तुत की गई। 50 से अधिक विद्यालयों के बच्चों ने दीप प्रज्वलन में अपना योगदान दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में स्वामी प्रणवानंद सरस्वती ने कहा कि नव संवत वर्ष न केवल आम भारतीयों में नई ऊर्जा का संचार करता है, बल्कि संपूर्ण प्रकृति इस अवसर पर नए कलेवर में होती है। उन्होंने कहा कि नव संवत्सर समृद्ध भारतीय

नव संवत्सर समृद्ध भारतीय परंपराओं का उत्सव

परंपराओं का उत्सव है।इसके जरिए गौरवमय भारतीय विरासत को संरक्षित रखने एवम् प्रकृति के उपहारों को आत्मसात किया जाना चाहिए। आरएसएस के क्षेत्रीय सह संघ चालक राम कुमार ने कहा कि हिंदू नव वर्ष से समाज का स्वाभिमान जागेगा। कहा कि नव संवत उन विक्रमादित्य को नमन करने का अवसर है जिन्होंने ईस्वी सन् के 58 वर्ष पूर्व विक्रमी संवत का प्रवर्तन किया और सांस्कृतिक उन्नायक के रूप में राम जन्म भूमि पर भव्य मंदिर निर्माण कराने के साथ अयोध्या का पुनरुद्धार कराया।